दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 278/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 21 मई 2024 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

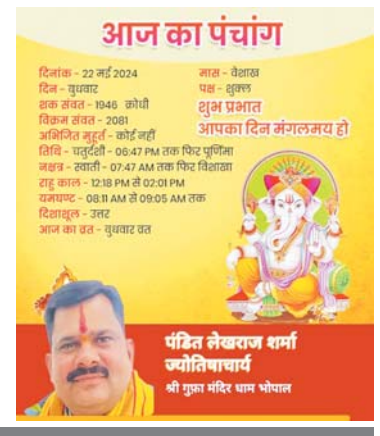

देश में गर्मी का कहर

मप्र में ग्वालियर-चंबल के साथ अब मालवा-निमाड़ भी हॉट

भोपाल। देश के अधिकांश हिस्सों में गर्मी का कहर बरप रहा है। मध्यप्रदेश में ग्वालियर-चंबल के साथ अब मालवा-निमाड़ भी हॉट है। यहां दिन का टेम्प्रेचर 45 डिग्री के पार पहुंच जाता है। मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार 24-25 मई से पूरा प्रदेश लू की चपेट में रहेगा। मंगलवार को प्रदेश के कई जिलों में पारा 45 डिग्री के पार पहुंच गया। रतलाम सबसे हॉट रहा। यहां दिन का टेम्प्रेचर 45.6 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा। वहीं, दतिया-नौगांव में 45.5 डिग्री, गुना में 45.4 डिग्री और ग्वालियर में पारा 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भोपाल और उज्जैन सीजन के सबसे गर्म रहे। राजधानी भोपाल में पारा 43.3 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। वहीं, उज्जैन में 44.1 डिग्री दर्ज किया गया। तेज गर्मी की वजह से लू का असर भी रहा। प्रदेश के कई शहरों में हीट वेव, यानी गर्म हवाएं चली। टीकमगढ़, खंडवा, दमोह, नर्मदापुरम, खरगोन, खजुराहो और शाजापुर में पारा 44 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो इंदौर में पारा 42.8 डिग्री और जबलपुर में 41.8 डिग्री दर्ज किया गया।

राजस्थान, हरियाणा में पारा 47 डिग्री के पार

राजस्थान और हरियाणा में पारा 47 डिग्री पार कर गया है। हरियाणा के सिरसा में अधिकतम तापमान 47.8 और राजस्थान के पिलानी में 47.2 डिग्री रहा। मौसम विभाग ने अगले पांच दिन पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के सीनियर वैज्ञानिक नरेश कुमार ने बताया कि राजस्थान में अगले 5 दिन का रेड अलर्ट जारी किया है। यहां अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से बढ़कर 47 डिग्री सेल्सियस पहुंचने की संभावना है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण पंजाब और हरियाणा के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, यहां तापमान में 2 से 3 डिग्री की वृद्धि होगी। उत्तर प्रदेश में अगले पांच दिनों के लिए रेड अलर्ट और मध्य प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। दूसरी तरफ, बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में बारिश के आसार हैं। केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक के दक्षिणी क्षेत्रों में बुधवार को भारी बारिश की संभावना है। इन राज्यों में अगले 2-3 दिनों में 12 सेमी तक बारिश हो सकती है।

\- छाया- जगदीश कौशल

मोदी बोले-ये हमें डराते हैं, इनको मालूम नहीं 56 इंच क्या होता है?

बस्ती। पीएम मोदी ने बस्ती में बुधवार को चुनावी रैली को संबोधित किया। उनका गला बैठा था। पीएम ने कहा- अब पाकिस्तान को पस्त पड़ा है, लेकिन उनके हमदर्द सपा-कांग्रेस वाले भारत को डराने में जुटे हैं। ये हमें डराते हैं। इनको मालूम नहीं है कि 56 इंच क्या होता है।

पीएम ने कहा- मैडम सोनिया ने अपने अध्यक्ष सीताराम केसरी को बाथरूम में बंद करवा दिया। फिर उठाकर के फुटपाथ पर फेंकवा दिया। फिर रातों-रात खुद अध्यक्ष बन गईं। इससे पहले सीएम योगी ने कहा- 4 जून के रिजल्ट को लेकर लोगों को कोई संदेह नहीं रह गया है। चारों तरफ एक ही नाम है। एक ही नारा है- फिर एक बार मोदी सरकार। मंच पर केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, सुभासपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर, कैबिनेट मंत्री संजय निषाद भी मौजूद हैं। बस्ती से भाजपा ने हरीश द्विवेदी को टिकट दिया है, जबकि सपा ने राम प्रसाद चौधरी को चुनावी मैदान में उतारा है।

सपा-कांग्रेस के शहजादे दिन में सपने देखते हैं

आज में सपा-कांग्रेस के दोनों शहजादे दिन में सपने देखते हैं। पहले मैं ये बात सुना करता था। 4 जून को यूपी की जनता इनको नींद से जगाने वाली है। तब ये ठीकरा ईवीएम पर फोड़ेंगे। इंडी गठबंधन की परिवारवादी पार्टियों ने तुष्टिकरण की सारी हदें पार कर दी है। हमारा देश 500 साल से राम मंदिर की प्रतिक्षा कर रहा था। इंडी गठबंधन को राम मंदिर में परेशानी है। सपा के एक बड़े नेता कहते हैं, राम मंदिर तो बेकार है। सपा खुलेआम कहती है कि राम मंदिर को चाहने वाले राम भक्त पाखंडी है। राम मंदिर अपवित्र है। ये लोग सनातन धर्म के विनाश करने की बात करते हैं। कांग्रेस के शहजादे राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटना चाहते हैं। ये राम लला को फिर से टेंट में भेजना चाहते हैं। इनको वोट से चोट देनी चाहिए। सपा-कांग्रेस को अचानक संविधान की याद आ गई। इसी कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाकर संविधान के खत्म करने की कोशिश की थी। यही कांग्रेस है, जो खुद की पार्टी का संविधान नहीं मानती है।

अमित शाह ने 77 वर्षीय नवीन पटनायक को संन्यास लेने की दी सलाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सुझाव दिया कि ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, जो 77 वर्ष के हैं, को उनकी बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य समस्याओं के कारण सेवानिवृत्त हो जाना चाहिए।

इसने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम को गृह मंत्री पर कटाक्ष करते हुए पूछा कि क्या वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर इशारा कर रहे हैं, जो 73 साल और सात महीने के हैं।

अमित शाह 25 मई को ओडिशा में एक साथ होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनाव के तीसरे चरण से पहले ओडिशा में चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। अमित शाह ने कहा कि यह चुनाव नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए हैं। ओडिशा के गौरव को बहाल करें, जिसे नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजद सरकार ने नष्ट कर दिया है। यह वादा करते हुए कि भारतीय जनता पार्टी राज्य में सत्ता में आने पर एक युवा उड़िया भाषी 'भूमिपुत्र' को सीएम बनाएगी, अमित शाह ने आगे कहा, नवीन बाबू की तबीयत ठीक नहीं है, जिसके परिणामस्वरूप 1.5 लाख सरकारी रिक्तियां हैं। भरे नहीं जा रहे हैं। अगर हमारी सरकार बनी तो हम इन पदों पर नियुक्तियां करेंगे।

शील नागू होंगे मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस; रवि मलिमठ 24 को हो रहे रिटायर

भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के नए एक्टिंग चीफ जस्टिस अब शील नागू होंगे। वर्तमान चीफ जस्टिस रवि मलिमठ 24 मई को रिटायर हो रहे हैं। 25 मई से मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस शील नागू होंगे। विधि मंत्रालय ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। रवि मलिमठ 27 अक्टूबर को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस बने थे।

भाजपा ने भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह को पार्टी से किया निष्कासित

पटना। बिहार भाजपा ने बुधवार को भोजपुरी गायक पवन सिंह को एनडीए के आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए निष्कासित कर दिया। इससे पहले, उन्होंने काराकाट निर्वाचन क्षेत्र से एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के अपने फैसले की घोषणा की।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा दक्षिण बिहार सीट से एनडीए के उम्मीदवार हैं। सिंह ने पश्चिम बंगाल के आसनसोल से भाजपा का टिकट ठुकराने के बाद चुनाव लड़ने का फैसला किया था। बीजेपी ने पवन सिंह को पश्चिम बंगाल की आसनसोल सीट से अपना उम्मीदवार घोषित किया था। हालांकि, एक दिन बाद पवन सिंह निजी कारणों का हवाला देकर बाहर हो गए। इससे पहले उनकी मां प्रतिमा देवी ने काराकाट लोकसभा सीट से अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली थी। चुनाव आयोग ने प्रतिमा देवी के नाम वापस लेने की पुष्टि की, जिन्होंने 14 मई को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया था। ह्ष्ठ उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़ने के सिंह के फैसले की केंद्रीय मंत्री आरके सिंह सहित कुछ भाजपा नेताओं ने आलोचना की, जो पड़ोसी आरा लोकसभा सीट से फिर से चुनाव लड़ने की मांग कर रहे थे।

सीपीए को फिर से अस्तित्व में लाने की तैयारी

सीएम के निर्णय पर मुख्य सचिव ने बुलाई बैठक

भोपाल। मोहन यादव सरकार पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सरकार के एक और फैसले को पलटने जा रही रही है। दरअसल, शिवराज सरकार के कार्यकाल में दो साल पहले राजधानी परियोजना प्रशासन (सीपीए) को 3 मार्च 2022 को बंद करने का फैसला किया गया था और उसके कामों को लोक निर्माण विभाग, नगर निगम और वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया था। अब मोहन सरकार सीपीए को फिर अस्तित्व में लाकर नए सिरे से इसका पुनर्गठन करने की तैयारी में है। इसी को लेकर मुख्य सचिव ने संबंधित

विभागों के अफसरों की बैठक भी बुलाई है। इस मामले में नगरीय विकास और आ?वास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई का कहना है कि मुख्य सचिव वीरा राणा ने सीपीए को लेकर आज बैठक बुलाई है।

इसमें सीपीए की समीक्षा का विषय रखा गया है। सीपीए के विघटन और पुनर्जीवन को लेकर इसके विषय में कोई बात नहीं कही गई है। गौरतलब है कि इसके पहले सीएम डॉ यादव पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के अवैध कालोनियों को वैध करने के फैसले को पलट चुके है। यादव ने कहा है कि कोई भी अवैध कालोनी वैध नहीं की जाएगी। नई अवैध कालोनी बनने नहीं दी जाएगी।

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज उत्तर प्रदेश के महाराजगंज में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में आयोजित जनसभा को संबोधित करने पहुंचे।

मंत्री कृष्णा गौर ने लिखी है सीएम को चिट्ठी

प्रदेश की पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री कृष्णा गौर ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखकर सीपीए को पुनर्जीवित करने की मांग की है। गौर ने कहा है कि सीपीए के पुनर्जीवित होने से राजधानी के बाग बगीचों और फारेस्ट एरिया का अच्छे से विकास हो सकेगा। बताया जाता है कि सीएम यादव ने इसके बाद इस सीएम मानिट में डाला है और इस पर निर्णय करने के लिए कहा है। इसके बाद ही सीएस वीरा राणा ने मीटिंग बुलाई है।

राहुल गांधी ने पुणे एक्सीडेंट पर कहा-

ट्रक-बस ड्राइवर से निबंध नहीं लिखवाते? न्याय सबके लिए समान हो

नई दिल्ली। पुणे हिट एंड रन केस में मध्यप्रदेश के दो इंजीनियर्स की मौत पर सांसद राहुल गांधी ने एक्स पर वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने कहा, अगर ओला-उबर, ऑटो, बस और ट्रक ड्राइवर गलती से किसी को मार देते हैं तो 10 साल की सजा हो जाती है। अमीर घर का लड़का पोर्शे कार से दो लोगों की हत्या कर देता है तो उससे सिर्फ निबंध लिखवाया जाता है। बस

ड्राइवर से क्यों नहीं लिखवाया? राहुल ने आगे कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा गया- दो भारत बन रहे हैं। एक अरबपतियों और दूसरा गरीबों का। उनका जवाब आता है- क्या मैं सबको गरीब बना दूं? सवाल ये नहीं। सवाल ये है कि अमीरों और गरीबों... दोनों को न्याय मिलना चाहिए, इसलिए हम लड़ रहे हैं। अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं।

फडणवीस ने भी कोर्ट के फैसले पर हैरानी जताई

उधर, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी कोर्ट के फैसले पर हैरानी जताई है। फडणवीस ने कहा कि दो लोगों की मौत के बावजूद जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने नरम रुख अपनाया। जबकि, पुणे पुलिस ने बोर्ड को दिए अपने आवेदन में कहा था कि आरोपी के उम्र 17 साल और 8 महीने है। दरअसल, 18 मई की रात 2.15 बजे पुणे में बाइक सवार अश्विनी कोष्टा और अनीश अवधिया को हाई स्पीड पोर्शे कार ने कुचल दिया था। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी। अश्विनी जबलपुर और अनीश उमरिया का रहने वाला था।

मैं देश का बेटा और मोदी राजा: राहुल गांधी

चरखी दादरी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को हरियाणा दौरे पर हैं। यहां उन्होंने सबसे पहले चरखी दादरी में राव दान सिंह के समर्थन में रैली की। इस दौरान टिकट कटने से नाराज विधायक किरण चौधरी और उनकी बेटी श्रुति चौधरी भी मंच पर मौजूद रहीं। यहां राहुल गांधी ने कहा कि वे हरियाणा की सभी 10 सीटें जीतेंगे। 4 जून को इंडिया गठबंधन की सरकार बन रही है। इसके एक महीने बाद 4 जुलाई को देश की करोड़ों महिलाओं के खाते में 8500 रुपए आएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि मैं देश का बेटा हूं और पीएम नरेंद्र मोदी देश के राजा हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस युवाओं को पहली पक्की नौकरी देगी।

हरियाणा में राजनाथ सिंह ने कुर्सी पर बैठकर रैली की- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज हरियाणा दौरे पर हैं। उन्होंने करनाल के घरौंडा में कुर्सी पर बैठकर रैली को संबोधित किया। यहां उन्होंने पूर्व सीएम एवं लोकसभा प्रत्याशी मनोहर लाल खट्टर के लिए वोट की अपील की। राजनाथ सिंह ने कहा- मनोहर लाल खट्टर जैसा प्रत्याशी आपको मिला है, आप भाग्यशाली हैं।

मुंबई होर्डिंग हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 17

मुंबई। मुंबई में पिछले हफ्ते (13 मई) आंधी-बारिश से घाटकोपर इलाके में लगा एक विशाल होर्डिंग जमींदोज हो गया। हालांकि गर्मी से कुछ राहत तो मिली,

लेकिन इस घटना में जान-माल का भी बड़ा नुकसान हुआ। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने बताया कि घाटकोपर होर्डिंग गिरने की घटना में मृतकों का आंकड़ा बढ़ गया है। इस मामले के मुख्य आरोपी भावेश भिंडे को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अब विशेष जांच दल करेगी जांच

जानकारी के मुताबिक, अस्पताल में इलाज के दौरान एक और व्यक्ति ने दम तोड़ा दिया है। इसके साथ ही हादसे में मरने वालों की संख्या 17 हो गयी है। इस बीच मुंबई क्राइम ब्रांच ने घाटकोपर होर्डिंग ढहने की घटना की जांच के लिए छह सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ईरान रवाना: रईसी के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार (22 मई) को ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के अंतिम संस्कार में शामिल होने तेहरान जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पोस्ट में बताया कि भारत की ओर से शोक समारोह में भाग लेने के लिए उपराष्टपति ईरान गए हैं। 19 मई को रईसी का हेलिकॉप्टर ईरान-अजरबैजान बॉर्डर के पास क्रैश हो गया था। इसमें विदेश मंत्री हुसैन अमीराब्दुल्लाहियान समेत कुल 9 लोग सवार थे।

झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने वापस ली अंतरिम जमानत याचिका

नई दिल्ली। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से एक बार फिर राहत नहीं मिली। अदालत ने सोरेन की अंतरिम जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार कर

दिया। साथ ही कड़ी फटकार लगाई। दरअसल, सोरेन ने हाल ही में कोर्ट में याचिका दायर कर लोकसभा चुनाव के मद्देनजर खुद के लिए जमानत मांगी थी। शीर्ष अदालत ने सोरेन की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। साथ ही सच को दबाने के लिए फटकार लगाई। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता ने इस तथ्य का खुलासा नहीं किया है कि ट्रायल कोर्ट ने मामले में आरोपपत्र का संज्ञान लिया है।

चुनावों के बीच शेयर मार्केट ने रच दिया इतिहास, सन्न रह गए अमेरिका-चीन और जापान, 5 ट्रिलियन डॉलर पहुंचा मार्केट कैप

मुंबई। शेयर मार्केट में पिछले कई दिनों से लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। पिछले कारोबारी सत्र यानी मंगलवाप (21 मई 2024) को भले ही भारतीय शेयर बाजार में सुस्ती देखी गई हो लेकिन एक नया कीर्तिमान जरूर बन गया। स्टॉक मार्केट में बीएसई (क्चस्श्व) पर लिस्ट कंपनियों का मार्केट कैप

पहली बार मंगलवार को 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को छूने में सफल रहा। और सबसे खास बात है कि ऐसा करने वाला भारत दुनिया का पांचवा देश है। भारत से पहले अमेरिका, चीन, जापान और हॉन्कॉन्ग के शेयर मार्केट में ही यह रिकॉर्ड बन सका है।

बैरागढ़ कलां में श्रीराम कथा का भव्य आयोजन, पहले दिन निकली कलश यात्रा

29 मई तक आचार्य सतानंद महाराज श्रद्धालुओं को कथा का करवाएंगे रसपान

संत हिरदाराम नगर। बैरागढ़ कलां रेलवे फाटक के पास स्थित श्री चित्र विचित्र हनुमान मंदिर पर 21 मई से 30 मई तक श्रीराम कथा का आयोजन किया गया है। मंगलवार को पहले दिन प्रमुख मार्गो से कलश यात्रा निकाली गई। जहां महिलाएं पीले वस्त्र धारण कर सिर पर कलश रखकर चल रही थी वहीं युवा भगवान की भक्ति में लीन होकर झूमते हुए चल रहे थे। कलश यात्रा के समापन के बाद देव पूजन मंगलाचरण एवं नाम महिमा कार्यक्रम हुआ। श्रद्धालुओं को आचार्य सतानंद महाराज श्रीराम कथा का रसपान करवा रहे हैं। यह आयोजन प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। कथा में भगवान श्रीराम की कई लीलाओं का वर्णन होगा। 22 मई को सती चरित्र, शिव पार्वती विवाह, 23 मई को श्रीराम अवतार, जन्मोत्सव, 24 मई को प्रभु बाल लीला वर्णन एव अहिल्या उद्धार, 25 मई को श्रीराम जानकी विवाह महोत्सव, 26 मई को श्रीराम वन गमन एवं केवट प्रसंग, 27 मई को भरत चरित्र दण्डक वन प्रवेश एवं सीता हरण, 28 मई को हनुमान एवं सुग्रीव मिलन, सुन्दरकांड कथा, 29 मई को श्रीराम जानकी अयोध्या आगमन, श्रीराम राज्याभिषेक एवं कथा विश्राम होगा। 30 मई को भव्य भण्डारा होगा। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर प्रसादी ग्रहण करेंगे।

बरकतउल्ला विवि की प्रावीण्य सूची में संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की चार स्वर्ण पदक सहित 28 छात्राएं मेरिट में

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने वर्ष 2022-23 की घोषित है प्रावीण्य सूची, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की स्नातक-स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की छात्राओं ने अपना स्वर्णिम सफर बरकरार रखते हुए बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की वर्ष 2022-23 की घोषित प्रावीण्य सूची में चार स्वर्ण पदक सहित 28 छात्राओं ने अपना स्थान बनाया है। स्नातकोत्तर स्तर पर एम.एससी. मैथमेटिक्स की छात्रा कोमल सावलानी और एम.एससी.फूड एंड न्यूट्रीशन की छात्रा नेहा सिंह सहित स्नातक स्तर पर बी.कॉम आनर्स की छात्रा नेहा अछरा और बीसीए की छात्रा रीनू जायसवाल को प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा। वहीँ अन्य छात्राओं ने प्रावीण्य सूची में क्रमश: एम.एससी.फूड एंड न्यूट्रीशन की छात्रा पार्थवी शर्मा ने दूसरा स्थान, एम.एससी फूड एंड न्यूट्रीशन की छात्रा सिमरा सिद्धिकी ने तीसरा स्थान, एम.एससी फूड एंड न्यूट्रीशन की छात्रा स्वाति भारद्वाज, एम.कॉम की छात्रा उर्वशी चैधरी ने चैथा स्थान, एम.एससी. फूड एंड न्यूट्रीशन की छात्रा हफसा दुर्रानी और एम.एससी. मैथमेटिक्स की छात्रा आयुषी सैनी ने पांचवा स्थान प्राप्त किया है। स्नातक स्तर पर बी. कॉम ऑनर्स की छात्रा मुस्कान सोनी ने चैथा, सृष्टि मोटवानी ने छठवां, साक्षी गोगिया ने सातवां, जयमाला आडवानी ने आठवां, रोशनी जगवानी ने नौवां और दीपशिखा ने दसवां, बी.कॉम में ईशा प्रजापति ने दसवां स्थान प्राप्त किया है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ डालिमा पारवानी ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय के लिए अत्यंत गौरव का विषय है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्यवाही, वाधवानी एंड ब्रदर्स से शुभमन घी के 13 टिन जप्त

भोपाल । खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा मंगलवार को हनुमानगंज क्षेत्र में नकली खाद्य पदार्थों को लेकर खाद्य प्रतिष्ठानों के यहां पर जांच की कार्यवाही की गई जिसमें वाधवानी एंड ब्रदर्स से शुभमन घी के 13 टिन जप्त किये गये।

शुभमन ब्रांड गाय का घी तथा प्रीमियम घी की गुणवत्ता पर संदेह होने पर निर्माता फर्म की जानकारी प्राप्त करने हेतु इंदौर कार्यालय से सम्पर्क किया गया जिनके द्वारा निर्माताओं के विरुद्ध पूर्व में मिलावटी घी के विक्रय से संबंधित मामले बनाये जाने की सूचना दी गयी । इंदौर स्थित आर के फूड्स द्वारा वाधवानी ब्रदर्स को 360 रुपये प्रति किलोग्राम घी विक्रय किया गया है ।

मिलावटी होने के अनेक लक्षणों को देखते हुये खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा घी के दो नमूने एकत्र करते हुऐ 13 टिन घी जप्त किया गया । निर्माता और विक्रेता की सूचना आवश्यक कार्यवाही हेतु इंदौर कार्यालय को भी प्रेषित की गई है ।

हत्या के आरोपीयों को किया गिरफ्तार

भोपाल। थाना गांधीनगर में मंगलवार को टीटी नगर भोपाल निवासी विकास वर्मा ने अपने दोस्त ईशू खरे, सुरेन्द्र कुशवाह के साथ ईशू खरे के भाई सतीश खरे (पेरोल खत्म होने पर) को केन्द्रीय जेल छोडने आये थे । सेट्रंल जेल के सामने आरोपीयो संदेश नरवारे, आकाश, छोटा फैजल और दीपांशु सेन व अन्य लोगो द्वारा घातक हथियारो से सुनियोजित हमला किया जिसमें दोनो पीडित को अस्पताल में भर्ती कराया गया । जिस पर अपराध क्रं- 142/24 धारा 307 34 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया, जहां सुरेन्द्र कुशवाहा की मृत्यु एम्स अस्पताल में इलाज के दौरान हो गयी जिस पर धारा 302 भादवि का इजाफा किया गया था व दूसरा व्यक्ति विकास वर्मा अस्पताल में उपचाररत है । भोपाल के थाना गांधीनगर में एक घातक हमले के आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस हमले में दो लोग घायल हो गए थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद उन्हें जिला न्यायालय भोपाल पेश किया गया है। इस प्रकरण में थाना गांधीनगर, थाना टीटी नगर और क्राइम ब्रांच की टीम की सराहनीय भूमिका रही है।

आरोपियों के नाम: राघवेन्द्र उर्फ छोटू सेन, फैजल खान, दीपांशु सेन उर्फ तन्नू, राज सोमकुवंर, अजय पासवान।

इस हमले को देखते हुए पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी, जोन-4 के सहायक पुलिस आयुक्त सुन्दर सिंह कनेश, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मलकीत सिंह, और अन्य अधिकारियों के मार्गदर्शन में एस.आई.टी टीम ने आरोपियों की घेराबंदी की और उन्हें गिरफ्तार किया।

सीबीएसई दसवीं में 99.20 प्रतिशत अंक लाने पर छात्रा का किया सम्मान

संत हिरदाराम नगर। भोले के दरबार में सुप्रसिद्ध कथा वाचक मुकेश महाराज ने सीबीएसई की कक्षा दसवीं में 99.20 प्रतिशत अंक लाने वाली संत नगर की छात्रा परिधि तारानी को पुरस्कृत करके बधाई दी। मां सरस्वती की मूर्ति और सम्मान पत्र देकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

मुकेश महाराज ने कहा की शिक्षा के क्षेत्र में अपनी मेहनत और अपनी लगन दिखाकर दसवीं कक्षा में सीबीएसई में 99.2: अंक लाकर संपूर्ण भारत में चैथी रैंक हासिल करने वाली संत हिरदाराम नगर की बेटी परिधि तारानी ने समस्त सिंधि समाज और संत हिरदाराम नगर का नाम रोशन किया है। यह सम्मान इसलिए किया जा रहा है ताकि बच्ची का मनोबल हमेशा ऊंचा रहे और आने वाले समय में वह इसी तरह से अपने माता-पिता और समाज का नाम रोशन करती रहे। इस अवसर पर भोले के दरबार के प्रमुख हीरो हिन्दू, पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबूमल रिझवानी, पार्षद अशोक मारण, संत नरेश पारदासनी, संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी, रामचंद्र सबनानी, महेश खटवानी, प्रभुदास मूलचंदानी, रवि लालवानी झूलेलाल मंदिर के राजकुमार वाधवानी सहित बड़ी संख्या में लोग

बच्ची को हॉस्पिटल से ले जाने वाले पिता व नवजात को महिला थाना पुलिस ने किया दस्तयाब

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भोपाल के राजधानी अस्पताल में एक दिलचस्प घटना घटी है, जिसमें एक दंपति ने नवजात बच्ची को छोड़कर अस्पताल से भागने की कोशिश की। यह घटना हमीदिया हॉस्पिटल में हुई थी, जहां एक महिला ने सिजेरियन सेक्शन के जरिए एक लड़की को जन्म दिया था। नौवें दिन बच्ची की हालत बिगड़ गई, जिससे ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत पड़ी। डॉ. निवेदिता कर, अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, ने बताया कि जब डॉक्टर बच्ची का इलाज कर रहे थे, तब दंपति ने अस्पताल छोड़ने का प्रयास किया। अस्पताल के कर्मचारियों और पुलिस ने उन्हें रोक दिया और बच्ची को उसकी मां के साथ मायके रवाना किया। राजधानी भोपाल में मंगलवार 21 मई 2024 को आवेदिका प्रीति मेहरा पति प्रेम सिंह मेहरा उम्र 32 वर्ष निवासी राजीव नगर ने थाना आकर आवेदन पेश किया कि वह नयापुरा साडेरपुर गौहरगंज की रहने वाली है, 5 दिन पहले हमीदिया हॉस्पिटल भोपाल में डिलेवरी हुई जहां वे एडमिट थी। डिलेवरी के समय पति छोड़कर चला गया था। बाद में आया और नवजात बच्ची को लेकर चला गया। घटना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया एवं तत्काल आवेदन पर बच्ची को ढूढने हेतु निरी. शिल्पा कौरव हमराह स्टाफ के साथ रवाना हुई। अनावेदक प्रेम सिंह मेहरा को हमीदिया अस्पताल में ढूंढा गया। नवजात बच्ची, प्रेम सिंह व उनके परिजनों को लेकर थाना आए। नवजात बच्ची को मां प्रीति के सुपुर्द किया गया जो अपने परिजनों के साथ मायके रवाना हुई।

शासकीय नाले की भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

भोपाल । एसडीएम गोविन्दपुरा रवीश श्रीवास्तव के द्वारा अवैध कालोनी के विरूद्ध कार्यवाही की गयी है। ग्राम हताईखेडा स्थित खसरा क्रमांक 201/154 मद शासकीय नाला एवं खसरा क्रमांक 200/154/200 मद अर्बन सीलिंग तथा मेढे की भूमि आनंद मीणा के द्वारा तुलसी टाउनशिप नाम से अवैध कालोनी विकसित कर छोटे छोटे प्लाट काटे जाकर प्लाटिंग की जा रही थी। जिसे राजस्व विभाग, पुलिस एवं नगर निगम के द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुये अवैध निर्माण हटाया गया था तथा शासकीय भूमि को संरक्षित किया गया है। अनावेदक आनंद मीणा, तुलसी प्रापर्टी डील, पटेल मार्केट भानपुर विदिशा रोड भोपाल के विरूद्ध संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज करायी जा रही है।

मानसरोवर समूह के संस्थापक की जयंती पर होगा रक्तदान शिविर का अयोजन

भोपाल। मानसरोवर समूह के संस्थापक जाने माने शिक्षाविद् ब्रह्मलीन श्री कमलाकांत तिवारी की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में विशाल रक्तदान शिविर का अयोजन किया जाएगा। 30 मई को मानसरोवर डिलिजेंट केयर हॉस्पिटल प्रांगण, हिनौतिया आलम, कोलार रोड में आरोग्य भारती और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के सहयोग से यह शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर में बीएचएमआरसी ब्लड बैंक, हमीदिया हॉस्पिटल ब्लड बैंक, एम्स ब्लड बैंक और वेद ब्लड बैंक सहयोगी रहेंगे।

मासरोवर समूह के चीफ एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर गौरव तिवारी ने बताया कि मानवता का मान रखते हैं, चलो रक्तदान करते हैं के नारे के साथ इस भव्य रक्तदान शिविर को मूर्तरूप देने की तैयारियाँ जारी हैं। पिछले वर्ष भी हमने यह शिविर आयोजित किया था जिसके माध्यम से करीब 350 जरूरतमंदों तक ब्लड पहुंचाया गया था। इस वर्ष रक्तदान शिविर से प्राप्त रक्त थैलीसीमिया से ग्रसित बच्चों को नि:शुल्क उपलब्ध करवाया जाएगा। अनुमान है कि 500 से अधिक लोग इस शिविर में भाग लेंगे। सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है, इसलिए रक्तदान के पूर्व सभी तरह की जांचों के बाद ही रक्त लिया जाएगा। जिससे कि स्वच्छ और सुरक्षित रक्त मरीज़ों को उपलब्ध कराया जा सके।

खुले में सीवेज बहाने वालों पर जुर्माने की कार्यवाही की जाए: निगम आयुक्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन द्वारा शहर की साफ-सफाई व कचरा एवं सी.एण्ड.डी वेस्ट निष्पादन व्यवस्था को उच्च स्तरीय बनाने तथा नागरिक सुविधाओं को बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराने के दृष्टिगत विभिन्न क्षेत्रों, कचरा ट्रांसफर स्टेशन आदि का निरीक्षण निरंतर किया जा रहा है। इसी तारतम्य में निगम आयुक्त श्री नारायन ने मंगलवार को कोलार रोड क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्था एवं थुआखेड़ा स्थित कचरा ट्रांसफर स्टेशन व सी.एण्ड.डी प्लांट का निरीक्षण किया और शॉलीमार गार्डन क्षेत्र में सीवेज बहाने पर संबंधित के विरूद्ध जुर्माने की कार्यवाही करने और साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने थुआखेड़ा कचरा ट्रांसफर स्टेशन पर संचालनकर्ता कम्पनी एवं नगर निगम के कर्मचारियों का ड्यूटी चार्ट बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कोलार रोड स्थित बापू की कुटिया के पास श्वान द्वारा गंदगी कराने एवं थूकने पर क्रमश: 500 रुपये एवं 200 रुपये का

स्पॉट फाईन भी कराया।

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने मंगलवार को कोलार रोड, शॉलीमार गार्डन, अल्टीमेट अपार्टमेंट, थुआखेड़ा आदि क्षेत्रों में साफ-सफाई व कचरा ट्रांसफर स्टेशन व सी.एण्ड.डी प्लांट का निरीक्षण किया और कचरा ट्रांसफर स्टेशन एवं सी.एण्ड.डी वेस्ट प्लांट के कार्य प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त श्री नारायन ने कोलार रोड स्थित बापू की कुटिया के पास एक व्यक्ति द्वारा सड़क पर श्वान से गंदगी फैलाने पर 500 रुपये व थूकने पर 200 रुपये का स्पॉट फाईन कराया। निगम आयुक्त ने शॉलीमार गार्डन क्षेत्र में अल्टीमेट अपार्टमेंट में खुले में सीवेज बहता एवं बदबू फैलती पाए जाने पर संबंधित के विरूद्ध जुर्माना करने और साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने थुआखेड़ा स्थित कचरा ट्रांसफर स्टेशन का निरीक्षण करते हुए कचरा पृथक्कीकरण, निष्पादन व अन्य कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा ट्रांसफर स्टेशन के संचालन से संलग्न वेस्टर्न कम्पनी तथा नगर निगम के कर्मचारियों के ड्यूटी चार्ट बनाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने थुआखेड़ा स्थित सी.एण्ड.डी. प्लांट में सी.एण्ड.डी वेस्ट से ब्लॉक्स, ईंट आदि बनाने के कार्य का भी अवलोकन किया। इस दौरान निगम आयुक्त को अवगत कराया गया कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले सी.एण्ड.डी वेस्ट से क्रेसर के माध्यम से 10 एम.एम. व 20 एम.एम. की गिट्टी बनाई जाती है एवं गिट्टी बनाने में जो बारीक चूरा बनता है उससे ब्लॉक, ईंटे आदि बनाए जाते है और शेष बची मिट्टी को फिलिंग करने हेतु दिया जाता है।

सिंहस्थ संबंधी कार्य उज्जैन की जरूरतों और विकास के अनुसार हों: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ-2028 के संबंध में अधिकारियों से की चर्चा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंहस्थ-2028 की तैयारी के संबंध में मंत्रालय में अधिकारियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन नगर की जरूरतों और विकास को ध्यान में रखते हुए सिंहस्थ पर केंद्रित कार्यों का क्रियान्वयन किया जाए। क्षिप्रा नदी को प्रदूषण मुक्त करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, क्षिप्रा के संरक्षण और जन सुविधा का ध्यान रखते हुए नदी के घाटों को विकसित किया जाए। सिंहस्थ के आयोजन, अनुवीक्षण और समन्वय के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल समिति बनेगी। वर्तमान वित्तीय वर्ष के बजट में 3 वर्ष में पूर्ण होने वाले कार्यों को शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ में आवागमन की दृष्टि से महत्वपूर्ण जावरा-उज्जैन, इंदौर-उज्जैन फोरलेन, उज्जैन रेलवे स्टेशन की क्षमता वृद्धि तथा उज्जैन के आस-पास फ्लेग स्टेशन विकसित करने जैसे बड़े कार्यों को तत्काल आरंभ करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि क्षिप्रा को अविरल और निर्मल रखने के लिए सभी विभाग और एजेंसी तीन स्तर पर कार्य करेगी। इंदौर-उज्जैन के बीच स्टॉपडेम मरम्मत व निर्माण, गंदे पानी के डायवर्ज़न की योजना का क्रियान्वयन किया जाएगा। इसके लिए आईआईटी से सुझाव और विकल्प भी प्राप्त किए जाएंगे। क्षिप्रा नदी के बेहतर स्वरूप के लिए नमामि क्षिप्रा कार्यक्रम आरंभ किया जाएगा। क्षिप्रा नदी पर सम्पूर्ण शहरी क्षेत्र में नवीन घाटों का निर्माण किया जाएगा। इंदौर, सांवेर, देवास व उज्जैन के नगरीय क्षेत्रों में वर्ष 2040 की जनसंख्या को दृष्टिगत रखते हुए जल-मल योजनाएं और सीवेज ट्रीटमेंट प्लान वर्ष 2027 से पहले पूर्ण कर लिए जाएंगे। कान्ह नदी सहित क्षिप्रा नदी में मिलने वाले सभी नदी-नालों का दिसम्बर 2027 तक ट्रीटमेंट सुनिश्चित किया जाएगा। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए उज्जैन के साथ-साथ सम्पूर्ण मालवा और निमाड़ के जिलों में भी विकास कार्य होंगे। इन जिलों के अधोसंरचनात्मक कार्यों के प्रस्तावों का समय-सीमा में क्रियान्वयन किया जाएगा। सिंहस्थ के बेहतर प्रबंधन और समन्वय के लिए विभागीय अधिकारियों का दल प्रयागराज और हरिद्वार कुंभ का अध्ययन भी करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चर्चा में कहा कि उज्जैन में विकसित होने वाली स्प्रिच्युअल सिटी के लिए महाकाल-महालोक के प्रथम व द्वितीय चरण, उज्जैन विकास प्राधिकरण तथा गृह निर्माण मंडल की योजनाओं को सम्मिलित करते हुए कार्ययोजना बनाएं। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि स्प्रिच्युअल सिटी में धार्मिक दृष्टि से उज्जैन के महत्व व पहचान, मालवा की संस्कृति, परम्परा, रहन-सहन आदि को पर्याप्त अभिव्यक्ति का अवसर मिले।

मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा सहित अपर मुख्य सचिव श्री मोहम्मद सुलेमान, डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव श्री नीरज मंडलोई, श्री संजय दुबे, श्री मनीष सिंह, श्री राघवेन्द्र सिंह, श्री संदीप यादव तथा अन्य अधिकारी चर्चा में शामिल हुए।

प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष मितेंद्र सिंह ने आज युवा कांग्रेस पदाधिकारियों ओर कार्यकर्ताओं से प्रदेश कार्यालय में चर्चा की।

प्रतियोगिता की विजेता बनीं भोपाल की अक्षिता

भोपाल। झीलों की नगरी भोपाल की अक्षिता जैन ने पन्ना नेशनल पार्क में हाल ही में आयोजित वाइल्ड क्लासिक्स-9 का ग्रांड विनर प्राइज जीत लिया है। यह प्रतियोगिता 17 से 21 मई के दौरान आयोजित हुई थी। अक्षिता को पुरस्कार के रूप में सोनी कंपनी का लगभग साढ़े तीन लाख रुपये कीमत का कैमरा मिला है।

अक्षिता के पिता पुष्पेंद्र जैन ने बताया कि बिटिया ने हमारे परिवार का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। यह देश की एकमात्र लाइव फोटोग्राफी कांटेस्ट है, जो देश के विभिन्न सेंचुरी, रिजर्व पार्क और ऐतिहासिक स्थलों पर आयोजित की जाती है। यह इसका नौवां आयोजन था। अक्षिता ने इसमें तीसरी बार हिस्सा लिया। इससे पहले भी उसे इनाम मिले, लेकिन ग्रांड विनर पहली बार बनी है। यह आयोजन मध्य प्रदेश के पन्ना टाइगर रिजर्व और पन्ना के आसपास के मंदिरों, ट्राइबल लोकेशन (जनजातीय और वन्य) को मिलाकर किया गया था। इसमें फोटोग्राफी स्टोरी के साथ साथ करनी होती है। यह प्रतियोगिता चार दिन तक वर्कशाप के साथ चलती है। देशभर के चयनित पचास वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर को इस में शामिल किया गया था। इसमें शुभरंजन सेन, शिवांग मेहता, सुधीर शिवराम जैसी देश की ख्यात हस्तियों ने जज की भूमिका निभाई। यहां पर यह भी बता दें कि आइआइटी, गुवाहटी से गोल्डमेडलिस्ट अक्षिता फिलहाल माइक्रोसाफ्ट कंपनी में साफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर कार्यरत हैं और हैदराबाद में पोस्टेड हैं। वे भरतनाट्यम नृत्यांगना के साथ ही उभरती वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर हैं।

अवैध कालोनियों के विरुद्ध कार्यवाही लगातार जारी

भोपाल। कलेक्टर भोपाल कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में अवैध कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए एस.डी.एम. गोविन्दपुरा एवं तहसीलदार गोविन्दपुरा द्वारा मंगलवार को ग्राम हताईखेड़ा स्थित खसरा नंबर-123/1/1/1 रक़बा 1.74 हैक्टेयर के अंश भाग लगभग 2.5 एकड़ निजी भूमि पर रविन्द्र शुक्ला, जयशिव एसोसिऐटस द्वारा लगभग 100 से अधिक प्लॉट्स काटकर खूँटी लगाकर अवैध प्लाटिंग एवं एक कमरा बनाया गया था जिसे मोके पर नगर निगम राजस्व दल एवं पुलिस बल की उपस्थिति में कार्यवाही की जाकर अवैध कॉलोनी के रूप में किए हुए निर्माण को हटाया गया।

कार्यपालक निदेशक ने एम्स में इन हाउस लॉन्ड्री प्लांट का उद्घाटन

भोपाल। एम्स में आज इन हाउस लॉन्ड्री प्लांट का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह ने कहा कि इन हाउस लॉन्ड्री प्लांट के शुरू होने से मरीज को बेहतर और स्वच्छ बेडशीट,कंबल, तकिया इत्यादि मिल सकेंगे। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शुरुआत से ही अस्पताल में लॉन्ड्री के लिए जगह उपलब्ध थी। लेकिन प्लांट शुरू नहीं हो पाया था जिसके कारण अस्पताल के चद्दर, कंबल, ताकिया इत्यादि धोने के लिए बाहर ले जाया जाता था जिसमें संभावित जोखिम बना रहता था। ऐसी स्थिति में यह आवश्यक था कि एम्स भोपाल अपने ही परिसर में लॉन्ड्री प्लांट की शुरुआत करे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का जितना महत्व हमारे जीवन में है उतना ही अधिक महत्व रोगी के जल्दी ठीक होने में भी है। इस लॉन्ड्री प्लांट में छह वाशिंग मशीन, दो हाइड्रो एक्सट्रैक्टर यानी कपड़े से पानी निकालने की मशीन, चार ड्रायर और इसके अलावा दो कैलेंडर जिसके द्वारा बेडशीट इत्यादि को आयरन किया जा सकता है, उपलब्ध है। इन दो कैलेंडर मशीनों के अतिरिक्त स्टीम आयरन का अलग से प्रावधान रखा गया है। लॉन्ड्री सेवाओं के संकाय प्रभारी डॉ कवल कृष्ण ने बताया कि इस सुविधा के द्वारा संक्रमण नियंत्रण, रोगी सुरक्षा में कई गुना सुधार आएगा। क्योंकि मरीज द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले बेडशीट इत्यादि का सीधा संबंध मरीज के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है। इसलिए इस व्यवस्था के शुरू होने से अब मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

पिपलिया पेंदे खां गांव के लोगों के लिए एम्स भोपाल द्वारा सड़क का लोकार्पण

भोपाल। एम्स के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह ने आज पिपलिया पेंदे खां गांव के लोगों के लिए सड़क का लोकार्पण किया। दरअसल अभी तक एम्स के नजदीक स्थित पिपलिया गांव के लोगों को एम्स भोपाल के अंदर से होकर जाना पड़ता था। इस सुविधा के शुरू होने से अब गांव वासियों को काफी लाभ मिलेगा और उन्हें एम्स परिसर के अंदर नहीं जाना पड़ेगा। लगभग एक करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से 765 मीटर लंबी और लगभग 6 मीटर चौड़ी यह आरसीसी सड़क तैयार की गई है। यह सड़क एम्स भोपाल के गेट नंबर 4 से होकर आईपीडी की मुख्य बाउंड्री तक तैयार की गई है। इसके अलावा एम्स भोपाल और पिपलिया पेंदे खां गांव की ओर वाली सड़क के बीच में ढाई मीटर ऊंची और 965 मीटर लंबी तार की जाली भी लगाई गई है। जिससे कि सुरक्षित एवं सुचारु आवागमन हो सके। प्रोफेसर (डॉ) सिंह ने कहा कि इस सुविधा के शुरू होने से पिपलिया पेंदे खां गांव के लोगों को अब काफी लाभ पहुंचेगा और उन्हें बिना एम्स परिसर में प्रवेश किये आने-जाने का साधन उपलब्ध हो जाएगा।

ओरल कैंसर स्क्रीनिंग शिविर में अब तक अठारह सौ से अधिक लोगों की हुई जांच

शिविर में अगले 15 दिनों तक होगी ओरल कैंसर की निशुल्क जांच

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ओरल कैंसर स्क्रीनिंग हेतु आयोजित किए जा रहे विशेष शिविर में ऑटोफ्लोरेंस आधारित उपकरण द्वारा 1832 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। जिनमें से 361 लोगों में ओरल कैंसर के प्रारंभिक लक्षण पाए गए हैं। मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस विशेष शिविर की अवधि 15 दिनों के लिए बढ़ाई गई है। जिला अस्पताल के ब्लॉक ए में एनसीडी कक्ष में यह जांच निशुल्क की जा रही है।

ओरल स्कैन जांच के माध्यम से ओरल कैंसर को शुरुआती अवस्था में ही डायग्नोसिस किया जा सकता है, जिससे देरी से डायग्नोस होने के कारण होने वाली विरूपता व अन्य परेशानियों से बचा जा सकता है। स्क्रीनिंग दंत रोग विशेषज्ञों द्वारा प्रतिदिन की जा रही है।

तंबाखू उत्पादों जैसे गुटखा, खैनी, जर्दा , बीड़ी, सिगरेट का उपयोग करने वालों में ओरल कैंसर होने की आशंका अन्य लोगों से बहुत अधिक होती है। इसलिए इन लक्षणों वाले लोगों को आवश्यक रूप से स्क्रीनिंग करवाते रहना चाहिए । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि शिविर में जिन लोगों में ओरल कैंसर के प्रारंभिक लक्षण पाए गए हैं उनका फॉलोअप किया जा रहा है। । असंचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत कैंसर स्क्रीनिंग एवं उपचार की सुविधा निशुल्क है।

कछुआ आध्यात्मिक रुप से दीर्घायु, स्थिरता, जड़ता, आत्म सुरक्षा, अनुकूलनशीलता एवं लचीलेपन का प्रतीक है: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से नि:शुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है वर्तमान में भी ऑनलाइन माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। वर्तमान कोविड 19 महामारी में भी हजारों योग साधक अपनी योग साधना की निरंतरता से विपरीत परिस्थितियों में भी स्वयं स्वस्थ एवं सकारात्मक रहते हुए सेवा के कार्यों में लगे है। योग गुरु महेश अग्रवाल ने विश्व कछुआ दिवस के अवसर पर बताया कि प्राणायाम का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है सम्पूर्ण स्वस्थ रहते हुए लम्बी उम्र प्राप्त करना। प्राणायाम द्वारा हम श्वास की गति को नियंत्रित कर सुखी हो सकते हैं। जिसका सबसे अच्छा उदाहरण योग में दिया जाता हैं कछुआ के बारे में जो की 1 मिनिट में श्वास प्रश्वास 4 से 5 बार लेता हैं उसकी उम्र लगभग 200 से 400 वर्ष मानी गई हैं । ऐसे ही प्रकृति में भी देखते हैं कि जो पशु - पक्षी तेज गति से जल्दी -जल्दी श्वास - प्रश्वास करते हैं, उनकी उम्र कम होती हैं। इस प्रकार सिद्ध होता हैं कि श्वास की गति को नियंत्रित कर हम अपने बहुमूल्य जीवन को बढ़ा सकते हैं।

एम्स और राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान मानसिक रोगियों के पुनर्वास पर मिलकर करेंगे काम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल और राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान, सीहोर अब मानसिक रोगियों के पुनर्वास के लिए मिलकर करेंगे। इस आशय के एक समझौता ज्ञापन पर आज एम्स भोपाल में हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह ने कहा कि हम आमतौर पर मानसिक स्वास्थ्य की चर्चा करते ही नहीं है। उन्होंने कहा कि हम मानसिक रोगियों का इलाज अवश्य करते हैं किंतु उसके बाद उनके पुनर्वास की ओर ध्यान नहीं देते हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता इस बात की है कि हमें उनके अंदर व्यावसायिक कुशलता को बढ़ाना होगा जिससे कि वह समाज में एक सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सके। इसके लिए मरीज और उसके परिवार के सदस्यों को भी समझाना होगा कि मानसिक बीमारी को भी अन्य बीमारियों की तरह ठीक किया जा सकता है। इससे पूर्व एम्स भोपाल के मनोरोग विभाग के प्रमुख प्रोफेसर विजेंद्र सिंह ने कहा कि इलाज के बाद मरीज को सबसे ज्यादा देखभाल की आवश्यकता पड़ती है। जिसमें पुनर्वास की एक महत्वपूर्ण भूमिका है और राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान, सीहोर के द्वारा ऐसे मरीजों को न केवल सलाह दी जाएगी बल्कि पुनर्वास के लिए उन्हें प्रशिक्षण देकर सक्षम भी बनाया जाएगा। इस समझौता ज्ञापन के पश्चात एम्स भोपाल से मरीजों को सीहोर स्थित इस संस्थान में रेफर भी कर सकते हैं जिससे कि उनका पुनर्वास भली भांति किया जा सके। इस समझौता ज्ञापन पर एम्स भोपाल की ओर से उपनिदेशक (प्रशासन) कर्नल (डॉ) अजीत कुमार ने जबकि राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान, सीहोर की ओर से उप रजिस्ट्रार डॉ नरेंद्र कुमार ने हस्ताक्षर किए। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान अपने आप में देश का एकमात्र ऐसा संस्थान है जहां पर मानसिक स्वास्थ्य रोगियों के पुनर्वास हेतु प्रयास किए जाते हैं ताकि वह स्वस्थ हो कर समाज में एक बेहतर जीवन व्यतीत कर सके ।

सम्पादकीय

मातृ संगठन से अलगाव या..?

अब भाजपा को संघ की जरूरत नहीं है। यह बात किसी और ने नहीं अपितु भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कही है। असल में भाजपा अध्यक्ष नड्डा के एक ताजा इंटरव्यू से उनकी पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच संबंधों का सवाल फिर से खुल गया है। नड्डा ने बिना किसी लाग-लपेट के कहा कि जब उनकी पार्टी छोटी और आज की तरह सक्षम नहीं थी, उस समय वह संघ की मदद लेती थी। लेकिन आज स्थिति बदल चुकी है। नड्डा कहते हैं कि पार्टी का विस्तार हो चुका है और उसकी क्षमता बढ़ चुकी है। अब संघ उसके संचालन में कोई भूमिका नहीं निभाता।

तो क्या यह मान लिया जाए कि भाजपा संघ से पूरी तरह स्वायत्त हो चुकी है? और यदि ऐसा है, तो आम चुनावों के बीच में अचानक भाजपा के छत्रपों को संघ की याद क्यों आ रही है? वे संघ की इस चुनाव में कथित उदासीनता से क्यों परेशान हैं? और भी कई सवाल हैं, जिनके उत्तर तलाशे जा रहे हैं। असल में संघ को भाजपा अपना मातृ संगठन मानता रहा है। भाजपा के विस्तार से लेकर चुनावों में जीतने की भूमिका बनाने तक में संघ का महत्वपूर्ण योगदान पिछले कई दशकों से मिलता रहा है।

आज माहौल कुछ बदला-बदला सा लग रहा है। फिर भी, संघ भले भाजपा को न चला रहा हो, लेकिन कहीं ऐसा तो नहीं कि अब संघ के कामकाज में भाजपा की भूमिका बढ़ गई हो? यानी जो नियंत्रक था, वह कहीं नियंत्रित तो नहीं होने लगा है? क्या भाजपा और संघ के संबंध एक दोराहे पर नहीं खड़े हैं? पिछले दिनों संघ में जिस तरह से चुनाव हुए और जिन पदाधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई, उससे खुद संघ के हजारों कार्यकर्ता खुश नहीं हैं। यह चर्चा भी चल निकली कि संघ पर भाजपा के कुछ गिने चुने लोग अपना नियंत्रण करना चाहते हैं।

अक्टूबर, 1951 में भारतीय जनसंघ को स्थापित करने के बाद संघ के तत्कालीन सरसंघचालक गुरु गोलवलकर ने कहा था कि जनसंघ तो गज्जर की पुंगी है। जब तक बजेगी बजाएंगे, और जब नहीं बजेगी तो खा जाएंगे। गोलवलकर ने ऐसी बात संघ के किसी अन्य संगठन के बारे में कभी नहीं कही थी। उनके मन में कहीं न कहीं यह अंदेशा था कि चुनावी राजनीति में सक्रिय होने के लिए गठित यह पार्टी आगे चलकर संघ द्वारा थमाए एजेंडे से अलग हटकर दूसरा रास्ता भी अपना सकती है।

अभी तक तो संघ ने भाजपा को अपने प्रचारकों के जरिए कड़ाई से नियंत्रित किया। इन प्रचारकों को भाजपा में संगठन मंत्री बनाने पर विशेष जोर दिया गया। चाहे अटल हों या आडवाणी या फिर मोदी- ये सभी भाजपा में संघ से ही भेजे गए थे। विचारधारा भले ही हिंदू राष्ट्रवादी बनी रहे, पर दोनों का रास्ता काफी कुछ अलग-अलग हो सकता है। उदाहरण के तौर पर, संघ अतिशय व्यक्तिवाद को नापसंद करता है और वर्तमान सरसंघचालक मोहन भागवत ने 2014 की जीत के दो महीने के बाद कहा भी था कि 'भाजपा को जीत किसी एक व्यक्ति की वजह से नहीं मिली है। इसके बाद भाजपा का शीर्ष नेतृत्व भागवत से और दूर हो गया। यही नहीं, उसने भागवत के समानांतर नेतृत्व को संघ में उभारने की कोशिश भी शुरू कर दी।

फिलहाल, नड्डा के इंटरव्यू के बाद सवाल यह भी उठता है कि संगठन मंत्री की हैसियत से पार्टी को चलाने वाले ये प्रचारक अंततः किसके नियंत्रण को मानेंगे- अपने पितृ-संगठन संघ को या मोदी-शाह की भाजपा के आलाकमान के? संघ भले ही व्यक्ति विशेष पर केंद्रित नहीं हो, परंतु यह सच है कि आज की भाजपा पिछले दस साल में पूरी तरह से एक व्यक्ति के करिश्मे पर आधारित होती चली गई है।

2015 में भागवत ने दिल्ली में मप्र सरकार के मध्यांचल नामक भवन में केंद्र सरकार के मंत्रियों को तीन दिन तक एक-एक करके तलब करके भाजपा पर अपने नियंत्रण का प्रदर्शन किया था। इस जवाब-तलबी में प्रधानमंत्री को भी जाना पड़ा था। संघ के पंद्रह संगठनों के मुखियाओं ने इस बैठक में सरकार के सामने कई सवाल किए थे। लेकिन यह अपने तरह की आखिरी बैठक साबित हुई। इसके बाद के घटनाक्रम पर सरसरी नजर डालने से ही स्पष्ट हो जाता है कि पिछले नौ साल में भाजपा संघ की इस तरह की जवाब-तलबी से पूरी तरह आजाद हो चुकी है। उसने अपनी सरकार में संघ के लिए शिक्षा और संस्कृति का क्षेत्र सक्रियता के लिए छोड़ रखा है, पर बाकी किसी क्षेत्र में संघ की नहीं सुनी जाती। प्रशासन में भी नहीं।

अटल बिहारी सरकार के मुकाबले मौजूदा सरकार में संघ के लोगों की नियुक्ति संख्या की दृष्टि से बहुत कम है। राम मंदिर की बात करें तो भव्य प्राण प्रतिष्ठा के टीवी पर हुए प्रसारण में हर स्वयंसेवक देख सकता था कि इस कार्यक्रम के केंद्र में मोदी ही थे। सरसंघचालक कार्यक्रम में थे जरूर, लेकिन दूसरे नम्बर पर। कहना न होगा कि पिछले दस साल में स्थापित हुए भाजपा के राजनीतिक प्रभुत्व का लाभ संघ को भी बहुत मिला है। आज संघ के विभिन्न संगठनों के दफ्तर शानदार भवनों में हैं। संघ के पदाधिकारी विलासी जीवन की ओर चल पड़े हैं। संघ चाहता तो बिना भाजपा सरकार के भी इस तरह का विकास कर सकता था। लेकिन उसकी सांगठनिक संस्कृति में आई भव्यता भाजपा के सरकारीकरण की देन ही है।

संघ के भीतरी माहौल और संरचना पर नजदीकी निगाह रखने वाले जानकारों की मानें तो संघ में आज ऐसे लोग तैनात हो चुके हैं, जो भाजपा के बढ़ते प्रभुत्व से चिंतित होने के बजाय इससे सहज प्रतीत होते हैं। नड्डा का वक्तव्य चुनाव के बीच सामने आया है। खासकर एक ऐसे माहौल में जब स्वयंसेवकों द्वारा अनमने भाव से चुनावी मुहिम में भाग लेने की चर्चा गर्म है। इसे भाजपा के आत्मविश्वास का परिचायक भी माना जा सकता है। और संघ के कतिपय पदाधिकारियों की दृष्टि में अतिआत्मविश्वास का। परंतु इस चुनाव से कथित तौर पर संघ की दूरियां कुछ अलग कहानी नहीं कह रही हैं। भाजपा को फिलहाल संघ के अधिसंख्य लोग अपनी मजबूरी कहकर टाल देते हैं। लेकिन जो कुछ वहां हो रहा है, उससे बहुत सहमत नहीं है।

पहले तो चुनाव के परिणामों की प्रतीक्षा है। वैसे तो चुनाव के पांच चरणों में जो माहौल बना, वही बहुत कुछ कह रहा है। लेकिन यहां इलेक्शन मैनेजमेंट के गुरू और महागुरू बैठे हैं, किस स्तर पर क्या कर दें, कुछ अनुमान तक नहीं लगाया जा सकता। फिर भी, संघ और भाजपा के बीच के रिश्तों की कहानी के अगले पड़ाव पर नजर तो रहेगी।

झटके का दंश निर्माण नहीं, होता विध्वंस

सरयूसुत मिश्रा

लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान में राहुल गांधी के डायलॉग काफी चर्चा में हैं. एक झटके में देश की गरीबी दूर कर दूंगा. महिलाओं के खातों में खटाखट-खटाखट एक लाख रुपए आएंगे. युवाओं को पहली पक्की नौकरी दी जाएगी. राहुल गांधी की ऐसी-ऐसी चुनावी बातें चुनावी विज्ञान को झटके पर झटका दे रहे हैं. झटका का मतलब ही नकारात्मक होता है. झटके में कोई निर्माण नहीं होता. झटके में विध्वंश होता है.

चुनावी डायलॉग देश को झटके पर झटका दे रहे हैं. राहुल गांधी की चुनावी भाषा, उनके चुनावी वायदे, उनकी चुनावी रणनीतियां कांग्रेस के लिए झटके से कम नहीं हैं. इंदिरा गांधी का गरीबी हटाओ कार्यक्रम कांग्रेस की 60 सालों की सरकारें गरीबी नहीं हटा पाईं. लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान तो ऐसे-ऐसे डायलोगों के लिए याद किया जाएगा कि इस पर अगर कोई फिल्म बनाई जाए, तो वह कमर्शियल फिल्मों से भी ज्यादा कलेक्शन करेगी.

भारत के लोग भी गजब हैं, कि राजनेता उनको देना चाहते हैं, लेकिन फिर भी वह लेना नहीं चाहते. पिछले लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस हर परिवार को 72 हज़ार रुपए देने का ऐसे ही चुनावी वादा किया था. लेकिन जनता ने कांग्रेस में कोई रुचि नहीं दिखाई. अब तो चुनावी बातें राजनीतिक शिष्टाचार भी समाप्त कर रही हैं.

गरीबी हमेशा से सियासी सेहत की सबसे अच्छी दवाई रही है. हर नेता, हर सरकार गरीबी हटाने का नारा देती है. कभी गरीबी हटाओ की बात होती है, तो कभी गरीब कल्याण की बात होती है. लेकिन ऐसा पहली बार हो रहा है, कि कांग्रेस के नेता एक झटके में गरीबी हटाने का झटका दे रहे हैं. लोकसभा चुनाव सात चरणों में हो रहे हैं. जब चुनाव एक झटके में नहीं हो सकते, तब गरीबी एक झटके में जरूर दूर हो सकती है. एक झटके में गरीबी हटाने का झटका इस तरह का है, जैसे 53 साल का कोई व्यक्ति युवा कहलाने का झटका देता है.

चुनाव जीतने के लिए हथकंडे तो समझे जा सकते हैं, लेकिन ऐसे-ऐसे हथकंडे जिनका कोई आधार ही ना हो. कोई वजूद ही ना हो. राहुल गांधी और उनकी सलाहकार मंडली इस बात से खुश हो सकती है, कि वह जिस तरह के डायलॉग चुनाव में दे रहे हैं, उनकी बहुत चर्चा हो रही है.

पीएम नरेंद्र मोदी प्रतिक्रिया देते हैं. बीजेपी भी उस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करती है. बिना खर्चा, चर्चा के फार्मूले पर तो राहुल गांधी बिल्कुल सफल हैं. राहुल गांधी तो एक चुनावी सभा में यहां तक कह रहे हैं, कि आप लोग बताओ पीएम मोदी से क्या बुलवाना है. आप लोग जो कहोगे मैं उसको उछाल दूंगा तो प्रतिक्रिया में पीएम मोदी जरूर बोल देंगे.

वार-प्रतिवार दोनों तरफ से चल रहा है. कांग्रेस शायद इस रणनीति पर काम कर रही है, कि जितना झटका अपनी बातों से दे सकते हो, उतना इस चुनाव में दिया जाए. परिणाम के दिन भले ही इन सबको इससे ज्यादा झटका लगे, लेकिन अभी तो झटके पर झटके दिये जाओ. नेता चुनाव में जो भी डायलॉग दे रहे हैं, उनका प्रभाव क्या पड़ रहा है, इस पर शोध होने की जरूरत है. राजनेताओं की विश्वसनीयता कितनी रसातल की तरफ जा रही है. इस पर चिंतन करने की जरूरत है. राजनीति के अपराधीकरण से ज्यादा लफ्फाजीकरण लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है.

पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जातिगत जनगणना के खिलाफ थे. उस दौर में कांग्रेस का नारा होता था, ना जात पर ना पात पर मोहर लगेगी इंदिरा जी की बात पर और कांग्रेस के हाथ पर. राहुल गांधी जातिगत जनगणना को अपना सबसे बड़ा मुद्दा बता रहे हैं. सबसे बड़ा सवाल है, कि गांधी परिवार के जातिगत जनगणना पर अब तक के विचार सही थे या आज उनकी विरासत जो विचार दे रही है, वह सही हैं. करप्शन खत्म हो जाएगा तो गरीबी अपने आप खत्म हो जाएगी. कांग्रेस की तरफ से करप्शन खत्म करने की कोई भी रणनीति सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आई है. बीजेपी कांग्रेस को करप्शन की जननी कहती है, तो उल्टे कांग्रेस भी बीजेपी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाती जरूर है, लेकिन अभी तक एक भी आरोप प्रमाणिकता के साथ स्थापित नहीं कर पाई है.

जांच एजेंसियों के छापों में जो नोटों के पहाड़ जब्त हो रहे हैं, उनको उन गरीबों के बीच बांटने का नया विचार पीएम मोदी दे रहे हैं. चुनावी सभाओं में उन्होंने कहा है, कि वह कानूनी सलाह ले रहे हैं, कि बेईमानों ने जिन गरीबों से चूसकर कर यह नोट जमा किए हैं, उन गरीबों की पहचान कर उनका पैसा वापस लौटाया जाए.वैसे तो देश में गरीबी का स्तर कम हुआ है. लोगों के स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग सुधरे हैं. सरकारी सिस्टम में गरीबों को चूसने की प्रवृत्ति कम होती दिखाई पड़ती है, लेकिन इसको पूरी तरह से बंद करने की जरूरत है. अगर देश में ऐसा संभव हो पाया तो गरीबी अपने आप मिट जाएगी. यह काम ना खटाखट हो सकता है, ना फटाफट हो सकता है और ना झटके में हो सकता है. इसके लिए सुनियोजित प्रयास नेक नीयत और ईमानदार गवर्नेंस की जरूरत है.

सियासत में तो कोई किसी को ईमानदार मानता नहीं है. हर राजनेता अपने को छोड़कर बाकी सबको बेईमान स्थापित करता है, जबकि वास्तविकता यह है, कि अगर वह अपनी असलियत खुद महसूस कर ले तो, फिर ईमानदारी को स्थापित होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा. खुद सुधरेंगे तो जग सुधरेगा यही भ्रष्टाचार मिटाने का जरिया हो सकता है. यह बहुत बचकाना सोच है, कि कोई भी निर्माण झटके में हो सकता है. झटके में तो फूंक मारकर बर्थडे केक की मोमबत्ती ही बुझाई जा सकती है. झटके से कोई सृजन नहीं होता. निर्माण के लिए प्लानिंग और प्रोसीजर पर काम करना पड़ता है. ऐसा नहीं है, कि कांग्रेस की तरफ से ही स्तरहीन चुनावी डायलॉग दिए जा रहे हैं. बीजेपी की ओर से भी ऐसे डायलॉग आ रहे हैं, जिनको स्तरीय नहीं कहा जा सकता.

कांग्रेस कहती है, कि हर युवक को पक्की नौकरी दी जाएगी. अप्रेंटिस एक्ट को बनाकर उसके तहत अप्रेंटिस के लिए मानदेय देने की व्यवस्था के प्रॉमिस को पक्की नौकरी के रूप में प्रचारित करना युवाओं के लिए झटके से कम नहीं है. सियासत को विकास से ज्यादा बंदरबांट की पद्धति बनाया जा रहा है. विधानसभा के चुनाव में ऐसे-ऐसे वायदे किए जाते हैं, जिन पर जनता यकीन ही नहीं करती. जनता ऐसे दलों को नकार भी देती है. फिर भी ऐसे हवाई चुनावी वायदे करने वाले राजनेता अपने को लोकतंत्र का बड़ा सेवक बताते हैं. ऐसी बातें संविधान की भावनाओं का खुला अपमान लगता है. संविधान की कौन सी धारा में लिखा है, कि एक लाख नकद देकर एक झटके में गरीबी मिटाई जा सकती है. गरीबी मिटाने का यह महाज्ञान भारत के अब तक के राजनेताओं को नहीं था. ऐसी अविश्वसनीय राजनीति समाज में भी अविश्वास की भावना बढ़ा रही है. कुछ भी बोल दो बस चुनाव जीतना है. चुनाव हारने के बाद इन वायदों के बारे में कभी दोबारा बात नहीं की जाती. फिर अगला चुनाव आएगा तो फिर ऐसे चुनावी डायलॉग गढ़े जाएंगे.

राजनीति ने देश को धर्म और जाति में तो बांट ही दिया है. अब झूठे वायदों और झूठी बातों में भी बांटने की कोशिश की जा रही है. राजनीति के दिग्गज प्रतिक्रियावादी राजनीति ज्यादा करते दिखाई पड़ रहे हैं. यह अलग बात है, कि कुछ दल और नेता ऐसी बातें कर रहे हैं, जो देश के लोकतंत्र और संविधान को खतरे में डाल सकता है. ऐसी बातों की प्रतिक्रिया में अगर स्पष्टता के साथ कुछ कहा जाता है, तो यह तो लोकतंत्र के लिए जरूरी है.

पूरे चुनाव को अगर ध्यान से देखा जाए तो विकास से ज्यादा हिंदू-मुस्लिम की बात उभरी हैं. इन मुद्दों पर पब्लिक मौन है, लेकिन राजनीति मुखर है. कांग्रेस जहां पर्सनल लॉ को प्रोत्साहन की बात करती है, तो बीजेपी इसे तुष्टिकरण कहते हुए समान नागरिक संहिता की बात उठाती है. इन बातों के जरिए भी हिंदू-मुस्लिम होता है. अगर संविधान सम्मत बात ही की जाती है, तो फिर प्रतिक्रिया में भी संविधान सम्मत बात ही होती. जब विभाजन की सोच पर बातें रखी जाएंगी, तो उनके स्पष्टीकरण में भी विभाजन सामने आएगा.

सियासी लोगों का टारगेट अपनी सत्ता की गरीबी दूर करना है. गरीबी हटे या नहीं हटे इससे उन पर कोई फर्क नहीं पड़ता. पहले भी गरीबी हटाओ का नारा दिया जाता था. चुनाव जीते जाते थे और गरीब जहां के तहां खड़े रहते थे. एक झटके में गरीबी दूर करने का चुनावी झटका भी सत्ता की गरीबी दूर करने का ही टोटका कहा जा सकता है. पब्लिक अवेयरनेस इतना ज्यादा है, कि अब सियासी लोगों को अपनी असालियत छुपाने का मौका नहीं है.

लोगों की नजर में सब कुछ खुला हुआ है. किस दल ने किस नेता ने राष्ट्र के लिए क्या किया है? समाज के लिए क्या किया है? ईमानदारी के लिए क्या किया है? यह सब जनता बखूबी समझती है. अब चुनावी डायलॉग केवल हंसी ठिठौली के लिए ही सुने और उपयोग किए जाते हैं. चुनावी डायलॉग का चुनावी नतीजों से दूर-दूर तक संबंध दिखाई नहीं पड़ता. जनता का श्वड्ढरू का झटका सभी झटकेबाजों को ऐसा लगेगा कि झटके का सही मतलब समझ जाएंगे.

हीटवेव से दुनिया में लाखों मौतें

-राकेश दुबे

देश ही नहीं विश्व में हीटवेव और उसकी अवधि अब संकट का नया कारण बनती जा रही है। आस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में सामने आया है कि भारत के साथ ही चीन और रुस में हीटवेव के कारण सर्वाधिक मौत हो रही है। बात भले ही अजीब लगे पर यह सचाई है कि लू के थपेड़ों से डेढ़ लाख से अधिक लोग जिंदगी की जंग हार जाते हैं।

वैसे तो दुनिया के सभी देश इससे प्रभावित हो रहे हैं पर भारत, रुस और चीन इससे सर्वाधिक प्रभावित हैं। प्रकृति का अत्याधिक और अंधाधुंध दोहन का परिणाम सामने आने लगे हैं। ऐसा नहीं है कि धरती के बढ़ते तापमान से दुनिया के देश चिंतित ना हो या इससे बेखबर हो पर इसे संतुलित करने के प्रयासों में जो लक्ष्य हासिल किया जाना था वह अभी दूर की कोड़ी ही सिद्ध हो रहा है। हालात बेहद चिंतनीय और गंभीर है।

भारत के साथ-साथ ही दुनिया के देश अब जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से दो चार होने लगे हैं। बेमौसम बरसात, तेज गर्मी, तेज सर्दी, आए दिन तूफानों का सिलसिला, भू स्खलन, सुनामी, ग्लेसियरों से बर्फ का तेजी से पिघलना, भूकंपन, जंगलों में आए दिन दावानल और ना जाने क्या-क्या दुष्परिणाम सामने आते जा रहे हैं। हालात तो यहां तक होते जा रहे हैं कि मौसम के समय व अवधि में भी तेजी से बदलाव होता जा रहा है। कब बरसात आ जाएं तो कब तेज गर्मी और कब सर्दी के तेवर तेज या कम हो जाते हैं यह पता ही नहीं चल रहा है। सबसे चिंतनीय बात यह है कि हीटवेव की चपेट में आने से लोगों की मौतों में तेजी से इजाफा होने लगा है। देखा जाए तो यह हीटवेव मौत का कारण बनने लगी है।

भारतीय मौसम विभाग की माने तो पूर्वी भारत में 1901 के बाद सर्वाधिक गर्मी इस साल अप्रैल में रिकॉर्ड की गई है। प. बंगाल में 2015 के बाद अप्रेल में सर्वाधिक लू के थपेड़ों को झेलना पड़ा है। इस तरह के कमोबेस हालात दुनिया के अधिकांश देशों में देखे जा सकते हैं। हालात तो यहां तक होते जा रहे हैं कि समुद्र का जल स्तर बढ़ता जा रहा है और उसके परिणाम स्वरुप समुद्र के किनारे बसे शहरों का अस्तित्व तक संकट में आने लगा है।

यह सारी समस्या मानव जनित समस्या है। अधांधुंध शहरीकरण, पेड-पौधों के जंगलों के जगह लोह कंक्रिट के खड़े होते जंगल, जन संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी और कार्बन् उत्सर्जन में लगाम लगाने में विफलता के परिणाम सामने आते जा रहे हैं। जैविक विविधता प्रभावित होती जा रही है। आधुनिकीकरण के नाम पर नित नए प्रयोग होने लगे हैं। जलवायु को प्रभावित करने वाले उत्पादों का उपयोग बेतहासा बढ़ा है। दुर्भाग्यजनक हालात यह है कि जिस उत्पाद को हम आज उपादेय बता रहे हैं एक समय बाद वहीं उत्पाद से होने वाले नुकसान गिनाने लगते हैं। दूसरी और वातावरण की नमी को समाप्त कर तापमान बढ़ाने में इन उत्पादों की खास भूमिका हो रही है। इन सबके साथ ही इंसानी गतिविधियों में बदलाव होने के साथ ही दखल बड़ा है। एक समय था जब बड़े जोर शोर के साथ पोलिथीन को उतारा गया और आज दुनिया के देश पालिथीन से मुक्ति चाहने लगे है। इसका कारण भी साफ है लोगों को पोलिथीन से होने वाले नुकसान का पता चलने लगा है।

आज एसी, फ्रीज, ओवन आदि की घर घर उपलब्धता आसान हो गई है। अब ऐसी, फ्रीज या इस तरह के अन्य उत्पाद किस तरह से वातावरण को गर्म कर रहे हैं यह किसी से छुपा नहीं है। एक समय थर्मल पॉवर के प्लांट आवश्यकता थी पर आज कोयले की धुंआ के कारण किस तरह से वातावरण दूषित हो रहा है यह समझने लगे हैं। घर में जलने वाले बल्व की बात करें तो सामान्य बल्व से सीफएल और उसके बाद एलईडी और सोलर का युग आ गया। सवाल कई बार तो ऐसे लगता है जैसे कि मार्केट फोर्सेज भी बहुत कुछ प्रभावित करती है। आज आर ओ का सेचुरेशन आ गया तो इसका उपयोग हानिकारक बताया जाने लगा हैं उसी तरह से जापान में ओवन को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया जाने लगा है। ईंधन के जितने भी साधन है वे सभी वातावरण को दूषित करने में आगे हैं। इसी तरह से सुविधाजनक इलेक्ट्रोनिक उत्पाद वातावरण को बिगाडने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे।

प्रकृति के साथ खिलवाड करने का नजीजा सामने आने लगा है। वातावरण दूषित होने के साथ ही कभी सावन बिन बरसात रह जाता है तो कभी अप्रेल मई में भी बरसात के कारण सर्दी से दो चार होना पड़ जाता है। समय आ गया है जब इस समस्या के निराकरण के लिए विशेषज्ञों को खासतौर से ध्यान देना होगा नहीं तो हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर होते जाएंगे। इसे भले ही चेतावनी समझा जाएं या कुछ और पर सब कुछ शीशे की तरह साफ है। अब समय आ गया है कि धरती के बढ़ते तापमान के स्तर को कम करने के उपायों पर गंभीरता से प्रयास किये जाएं।

कानून और न्याय : पर्यावरण में मददगार न्यायपालिका की अनूठी पहल

विनय झैलावत

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एफआईआर रद्द करने के लिए ''स्थानीय उद्यानों में पेड़ों के पचास पौधे लगाएं, जिनकी ऊंचाई तीन फीट तक हो। यह विषिष्ट शर्त लगाई। इस अनूठे निर्देश में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने पक्षों के बीच एक समझौते के बाद उनके खिलाफ दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) को रद्द करने की शर्त के रूप में एक परिवार को बगीचों में पचास पौधे लगाने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंदीरत्ता की एकल पीठ ने आदेश दिया कि आरोपी परिवार के सदस्यों को सुल्तानपुरी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले आवासीय क्षेत्र में तीन फीट तक के पौधे लगाने चाहिए। वहां मूल रूप से प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

दिल्ली न्यायालय ने निर्दिष्ट किया कि लगाए गए पौधों की तस्वीरें, जांच अधिकारी या स्टेशन हाउस अधिकारी की रिपोर्ट के साथ, आठ सप्ताह के भीतर उसे प्रस्तुत की जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, पौधों और पेड़ों के रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी। अदालत ने आगे कहा कि वृक्षारोपण के निर्देश का पालन करने में विफलता के परिणामस्वरूप याचिकाकर्ता लागत राशि 25 हजार जमा करने के लिए उत्तरदायी होंगे। इसके अलावा, पौधों/पेड़ों का रखरखाव संबंधित अधिकारियों द्वारा किया जाएगा।

उच्च न्यायालय ने अपने आदेष में प्राथमिकी भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत स्वेच्छा से चोट पहुंचाने, एक महिला की शील भंग करने, घर में अतिक्रमण, आपराधिक धमकी और सामान्य इरादे सहित आरोपों से उपजी थी। शिकायतकर्ता ने उसके पड़ोसियों पर ईंटों और लोहे की छड़ से हमला करने के साथ-साथ उसके साथ अनुचित तरीके से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। उसने यह भी आरोप लगाया था कि उसके भाई और पिता पर भी हमला किया गया, जब उन्होंने हस्तक्षेप करने का प्रयास किया। याचिकाकर्ताओं के वकील ने तर्क दिया कि मामले को 15 फरवरी, 2024 के समझौता ज्ञापन के संदर्भ में उभयपक्षों, जो पड़ोसी हैं, के बीच सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि चोटों की प्रकृति सरल मानी जाती है। राज्य के लिए अतिरिक्त लोक अभियोजक ने कहा कि पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण समझौते को देखते हुए, संबंधित एफआईआर को रद्द करने के मामले में राज्य को कोई आपत्ति नहीं है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि मानसिक भ्रष्टता या हत्या, बलात्कार और डकैती जैसे अपराधों से जुड़े जघन्य और गंभीर अपराधों को समझौते के बावजुद रद्द नहीं किया जा सकता है। हालांकि, गंभीर अपराधों, छोटी घटनाओं या अपराधों से अलग, जो बड़े पैमाने पर समाज को प्रभावित नहीं करते हैं या प्रकृति में व्यक्तिगत हैं, धारा 482 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत अंतर्निहित शक्तियों के प्रयोग के रूप में एक अलग आधार पर आधारित है। पक्षों के बीच समझौते के मद्देनजर, इस तरह के मामले में दोषसिद्ध की संभावना कम है। कार्यवाही जारी रखने से आरोपी पर गंभीर उत्पीड़न और पूर्वाग्रह होना संभव है। उच्च न्यायालय ने कहा कि पक्ष पड़ोसी होने के नाते कार्यवाही को समाप्त करने का इरादा रखते हैं। समझौता पक्षों के बीच सद्भाव को बढ़ावा देगा। चूंकि मामले को पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया है, इसलिए मामले को लंबित रखने से कोई उपयोगी उद्देष्य पूरा नहीं होगा। कार्यवाही जारी रखना और कुछ नहीं बल्कि न्यायालय की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। नतीजतन, प्रथम सूचना रिपोर्ट आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज और उससे उत्पन्न होने वाली कार्यवाही को रद्द कर दिया गया है।

यह पहली बार नहीं है जब इस तरह की सजा किसी को सुनाई गई हो। इससे पहले भी उच्चतम न्यायालय भी डॉ सोलेमन के मामले में यही ठहरा चुका है। सर्वोच्च न्यायालय ने एक 32 वर्षीय डॉक्टर को 16 साल की उम्र में हत्या का प्रयास करने की सजा के रूप में अगले एक साल सौ पेड़ लगाने का आदेष दिया है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में प्रैक्टिस करने वाले इस डॉक्टर को अपराध के लिए तीन साल के कारावास की सजा सुनाई गई थी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सजा की पुष्टि की। लेकिन चीजों ने एक अप्रत्याशित मोड़ ले लिया जब सोलेमन ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और कहा कि अगस्त 2004 में घटना के समय वह नाबालिग था।

डॉक्टर की याचिका से परेशान होकर, न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता की पीठ ने 25 फरवरी को जिला और सत्र न्यायाधीश, बरहमपुर, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल के सुलेमान की कहानी की जांच करने के लिए कहा। जिला न्यायाधीश ने पुष्टि की कि डॉक्टर वास्तव में अपराध की तारीख को 16 साल सात महीने और 28 दिन का नाबालिग था। न्यायाधीश की रिपोर्ट में कहा गया है कि सोलेमन का जन्म 30 फरवरी, 1987 को हुआ था। उनके स्कूल के रिकॉर्ड उनकी उम्र के सबूत को मजबूत करते हैं। अदालत ने कहा कि कानून के तहत डॉक्टर को आदर्श रूप से कानूनी अर्थ में बच्चा माना जाएगा। न्यायालय ने माना कि फिर से, 32 वर्षीय डॉक्टर को अब किशोर बोर्ड के सामने भेजने से भी कोई फायदा नहीं है।

उच्चतम न्यायालय ने सुझाव दिया कि 'इसके बजाय, याचिकाकर्ता, जो अब 32 वर्ष की आयु के एक पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी हैं, को सामुदायिक सेवा करने का निर्देश देकर न्याय के उद्देश्य को पूरा किया जाना चाहिए। उच्चतम न्यायालय के सुझाव का उत्तर प्रदेश राज्य ने समर्थन किया। उसने पेड़ लगाने को डॉक्टर के लिए एक उपयुक्त सजा पाया। राज्य के वकील ने सुझाव दिया कि सामुदायिक सेवा करने के इस दायित्व को याचिकाकर्ता को पेड़ लगाने के निर्देष से पूरा किया जा सकता है। न्यायालय ने याचिकाकर्ता के वकील द्वारा दिए गए सुझाव को स्वीकार करते हुए याचिकाकर्ता को एक साल की अवधि के भीतर सौ पेड़ लगाने का निर्देश दिए।

यह भी जानना दिलचस्प है कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आनंद पाठक के द्वारा भी कुछ दिनों पहले एक मामले में जमानत इस शर्त पर दी गई थी कि वह दस पेड़ लगायेंगे। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर पीठ ने हत्या के प्रयास के एक मामले में एक आरोपी को पेड़ लगाने की शर्त पर जमानत दी। न्यायमूर्ति आनंद पाठक ने रिंकु शर्मा नामक आरोपी को एक लाख रूपये के निजी मुचलके पर जमानत दी थी। हाल ही में 13 अप्रैल के आदेश में, उच्च न्यायालय ने शर्मा को दस पौधे-फलों के पेड़ या नीम या पीपल लगाने और उनकी देखभाल करने का निर्देश दिया। न्यायाधीश ने कहा कि आरोपी अपनी पसंद के स्थान पर पौधे लगा सकता है, लेकिन वह उन्हें अपने खर्च पर सुरक्षित करेगा। आदेश में यह भी कहा गया है कि अभियुक्त 30 दिनों के भीतर पौधों की तस्वीरें पेश करेंगे।

उन्हें अगले छह महीनों के दौरान हर तीन महीने में पेड़ों के स्वास्थ्य के बारे में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी कहा गया था। उच्च न्यायालय ने चेतावनी दी कि उसकी ओर से कोई भी चूक उसे जमानत के लाभ से वंचित कर सकती है। न्यायाधीश ने कहा कि यह शर्त इसलिए रखी गई थी। क्योंकि, आरोपी ने स्वेच्छा से सामुदायिक सेवा करने की इच्छा व्यक्त की थी। न्यायमूर्ति आनंद पाठक पूर्व में अपने कई फैसलों में इसी प्रकार वृक्षारोपण तथा सामुदायिक सेवा के आदेश दे चुके हैं। न्यायपालिका द्वारा इस प्रकार के आदेश दिए जाना न केवल सराहनीय है बल्कि पर्यावरण एवं सामुदायिक सेवा के क्षेत्र के लिये भी बहुत ही अनूठी एवं शानदार पहल है। साथ ही छोटे अपराध करने वाले व्यक्तियों को सुधारने का एक अभिनव अवसर भी है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

काईखेड़ा गांव में संचालित अवैध क्लीनिक सील

दमोह -कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गए निर्देशों के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार ग्रामीण अंचलों में अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों और बिना डिग्री कथित डॉक्टरों पर कार्यवाही की जा रही। इसी क्रम मे हटा बीएमओ डॉ अमन श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार मानसी अग्रवाल ने स्वास्थ्य, राजस्व व पुलिस अमले के साथ काईखेड़ा गांव में संचालित क्लीनिक पर कार्यवाही की। टीम ने गांव में एक बंगाली के क्लीनिक पर नोटिस चष्पा किया गया है। कार्यवाही के दौरान विक्रम सिंह, फार्मासिस्ट श्रीराम गोश्वामी, आरक्षक निशांत वैष्णव की उपस्थिति रही।

कृषकों के लिए अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि 31 निर्धारित

औबेदुल्लागंज ।- राज्य शासन ने केवल उपार्जन से संबंधित कृषकों के लिए खरीद 2023 सीजन में वितरित किए गए अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि बढ़ाकर 31 मई 2024 नियत की गई है। सरकारी बैंकों के माध्यम से कृषकों को अल्पकालीन ऋण पर ब्याज अनुदान योजना अंतर्गत वर्ष 2023-24 में शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को अल्पावधि फसल ऋण दिये जाने की योजना निरन्तरता के संबंध में भी निर्देश जारी किये गये हैं। योजनान्तर्गत खरीफ 2023 सीजन में वितरित अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि (ड्यू डेट) 28 मार्च, 2024 को बढ़ाकर 30 अप्रैल, 2024 करने के आदेश सहकारिता विभाग ने प्रसारित किये हैं। किसानों को उपार्जित फसल की देय राशि प्राप्त होने में तकनीकी आदि कारणों से विलंब को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि केवल ऐसे कृषकों जिनके द्वारा निर्धारित ड्यू डेट 30 अप्रैल, 2024 तक समर्थन मूल्य पर अपने विभिन्न फसलों जैसे - गेहूं, चना, मसूर, सरसों आदि का विक्रय किया गया है एवं उन्हें उनके उपज विक्रय की राशि का भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है तथा उपार्जन की निर्धारित अंतिम तिथि तक उक्त फसलों का विक्रय करने वाले शेष किसानों के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज दर योजनान्तर्गत खरीफ 2023 सीजन की निर्धारित ड्यू डेट 30 अप्रैल, 2024 को बढ़ाकर 31 मई, 2024 किया जायेगा।

देश के सर्वोच्च नागरिक भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी कि पुण्यतिथि मनाई गई

औबेदुल्लागंज।- नगर औबेदुल्लागंज में ब्लॉक कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं ने एकता का परिचय देते हुए स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई अपने अपने विचार रखे पूर्व न प अध्यक्ष तूफान सिंह राजपूत , कमलेश यादव बाबूजी ने बताया कि केसे उन्होंने राजीव जी से प्रेरित होकर सन 1984 में कांग्रेस से जुड़े और आज भी उनकी प्रेरणा से पार्टी से जुड़े है पूर्व पार्षद हरपाल सिंह ने बताया की केसे राजीव जी की दूर दर्शिता के कारण आज की युवा पीढ़ी को टेक्नोलॉजी मिली और राजीव जो सोच से पंचायती राज का गठन हुआ और आज गांव गांव तक ग्राम सरकार के रूप में आज सत्ता अंतिम पंक्ति तक पहुंचने का काम कर रही है इस अवसर समस्त कांग्रेस जनों ने रोटी बैंक की संचालक नेहा चावला के माध्यम से असहाय लोगों भोजन वितरण करने का कार्य किया इस अवसर पर डॉ कु.भावना नागर सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के स्टाफ सहित डॉ उत्तम मिरोठा पूर्व पार्षद पामेश यादव सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष मनोज खटीक ,कपिल यादव, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष संजय लोधी भोजपुर मंडलम सुदर्शन लोवंशी, विजय यादव, राजाराम यादव, पार्षद प्रमोद सेन, चंद्रशेखर गुप्ता, बसंत साहू, बलवीर उईके, गफ्फार (चुनै चचा) पंकज शर्मा, सुधीर द्विवेदी, नितेश सोलंकी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे

आदतन आपराधी को एक वर्ष की अवधि के लिए जिल बदर करने के कलेक्टर ने किए आदेश

सिवनी- कलेक्टर जिला दण्डाधिकारी क्षितिज सिंघल ने आदतन अपराधी आकाश प्रधान, निवासी ग्राम मडई थाना लखनादौन को सिवनी सहित छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, जबलपुर, बालाघाट एवं मंडला जिले की राजस्व सीमाओं से एक साल की कालावधि के लिए निष्किासित करने के आदेश जारी किए हैं। पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह के प्रतिवेदन के आधार पर किए गए लोक सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था के मद्देनजर अनावेदक के जिला बदर का आदेश जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि अनावेदक के विरूद्ध कुल 09 आपराधिक प्रकरण लखनादौन एवं कोतवाली सिवनी में दर्ज हैं। इसके साथ ही कुल 06 प्रकरणों में प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई है।

ब्लड बैंक में रक्त की कमी, रक्तदान की अपील

सांध्य प्रकाश, विदिशा। ग्रीष्म ऋतु अपने चरम पर है और ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए आमजन रक्तदान जैसे पुनीत कार्य को करने से कतराते हैं। रक्तदान के अभाव में ब्लड बैंक में सभी प्रकार के रक्त समूहों की कमी हो जाती है। जिसके कारण गर्भवती महिलाओं, थैलेसिमिया, कैंसर एवं दुर्घटनाग्रस्त मरीजों को ब्लड की उपलब्धता सुनिश्चित करने में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। जिला अस्पताल ब्लड बैंक अधिकारी धर्मेन्द्र रघुवंशी ने कहा कि उपरोक्त कारणों को दृष्टिगत रखते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की जाती है कि आप सभी लोग अधिक से अधिक संख्या में ब्लड डोनेशन जैसे पुनीत कार्य में सहभागी बने और आमजन को भी स्वैच्छिक रूप से रक्तदान करने हेतु प्रेरित करें ताकि उपरोक्त उल्लेखित मरीजों एवं अन्य परिस्थितियों में जहां ब्लड की अत्यंत आवश्यकता है की पूर्ति की जा सके। आवश्यक होने पर रक्तदान शिविर भी विभिन्न प्रकार के सामाजिक संगठनों, एनजीओ एवं कर्मचारी संगठनों के माध्यम से चर्चानुसार आयोजित करवा सकते हैं।

वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के खाद्य सुरक्षा प्रशासन एवं खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा संयुक्त रूप किया गया औचक निरीक्षण

निरीक्षण में डबल फोर्टिफाइड वन्या प्लस नमक के लिये गए नमूने

दमोह -कलेक्टर दमोह सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल एवं राजेश पटेल प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने निरीक्षण कार्यवाही करते हुए दमोह के सागर रोड स्थित मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के वेयरहाउस /गोदाम का औचक निरीक्षण किया है। निरीक्षण के दौरान मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन जिला प्रबंधक बीएम राठौर एवं नागरिक आपूर्ति निगम के केंद्र प्रभारी अनिल कुमार खरे उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस में फूड लाइसेंस की प्रति लगी हुई पाई गई है। वेयरहाउस में पेस्ट कंट्रोल व्यवस्था पाई गई है। उक्त शासकीय वेयरहाउस में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत नागरिकों को राशन दुकान से वितरित किए जा रहे डबल फोर्टिफाइड वन्या प्लस नमक का भंडारण किया है। परिसर में स्टॉक में संग्रहित डबल फोर्टिफाइड वन्या प्लस नमक के नमूने जांच हेतु लिए गए हैं। उक्त नमक के नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा

गया है।

राज्य शासन द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली में राशन दुकान के माध्यम से उपभोक्ताओं को डबल फोर्टीफाइड नमक वन्या प्लस उपलब्ध करवाया जा रहा है। साधारण नमक में आयोडीन एवं आयरन को सूक्ष्म मात्रा में मिलाकर डबल फोर्टीफाइड नमक तैयार किया जाता है। मानव शरीर में आयोडीन की कमी से घेंघा रोग, बौनापन, मानसिक विकलांगता, गर्भपात, बहरापन, कम सुनाई देना, बौद्धिक क्षमता में कमी आदि विकार उत्पन्न हो जाते हैं। आयोडीन नमक के उपयोग से इन रोगों से बचा जा सकता है। इसी तरह भोजन में आयरन की कमी होने से एनीमिया रोग उत्पन्न होता है। इन रोगों से बचाव के लिए सभी नागरिकों को प्रतिदिन अपने भोजन में केवल आयोडीन एवं आयरन युक्त डबल फोर्टीफाइड नमक का ही इस्तेमाल करना चाहिए। डबल फोर्टीफाइड नमक का सही रखरखाव जरूरी है एवं इसके उपयोग करते समय नमक को के वल हवा बंद डिब्बे में रखना चाहिए एवं सूखी चम्मच का उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने बताया नमक को गैस के चूल्हे एवं धूप से दूर रखना आवश्यक है। नमक को खुले में नहीं छोड़ना चाहिए। उक्त डबल फोर्टीफाइड नमक में काले से दिखने वाले दाने आयरन के पोषक तत्व होते हैं, जिनके कारण भोजन को बनाते समय भोजन में हल्का काला रंग दिखता है। इस काले रंग से डबल फोर्टीफाइड नमक के गुणों में कोई फर्क नहीं पड़ता है एवं इसका भोजन में उपयोग करने में कोई नुकसान नहीं है, इससे भोजन के स्वाद, पोषण एवं गुणों में कोई अंतर नहीं आता है।

मुस्कान के आंगन में ' लाडो' को मिला प्यार, बेटी दुल्हन बनकर संवारेगी अपना घर

नर्मदा पुरम//इटारसी मुस्कान संस्था में रह रही लाडो कि कल 21 मई को धूमधाम से सगाई का कार्यक्रम किया गया। मुस?कान संस?था के संचालक मनीष ठाकुर ने बताया कि संस्था में अब तक 4 बेटियों का कन?यादान कर चुके हैं। परिवार से बिछड़कर मुस्कान संस्था में रहने वाली बेटी उर्मिका की सगाई ईश?वर रेस?टोरेंट में आयोजित कि गई। इस कार्यक्रम के साक्षी क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं मप्र विधानसभा के पूर्व अध?यक्ष डॉ सीतासरन शर्मा बने। समारोह में उनके अलावा एसडीओपी इटारसी महेंद्र सिंह चौहान, टीआई गौरव बुंदेला, विधायक प्रतिनिधि जगदीश मालवीय, कांग्रेस के पूर्व नगर अध?यक्ष पंकज राठौर, भाजपा नगर महामंत्री राहुल चौरे, बसंत चौहान सहित अन?य मौजूद थे। संस्था के संचालक मनीष ठाकुर ने बताया कि बेटी उर्मिला का विवाह भोपाल में रहने वाले युवक शुभम राठौर से तय हुआ है।कल शुभम के परिजन व रिश?तदार सगाई के लिए इटारसी आए थे।

उर्मिला मुस?कान संस?था में करीब 11 साल से रह रही है वह सीडब?ल?यूसी के माध?यम से उर्मिला यहां आई थी। मुस?कान संस?था के संचालक ठाकुर ने बताया कि उर्मिला को अपने पिछले जीवन के बारे में कुछ भी नहीं याद है। उसके माता पिता कौन है, वह कहां की रहने वाली है। जब वह 18 वर्ष की हो गई थी तो मुस?कान बालिका गृह से उन?होंने पालक बनकर उसे प्रशासन के माध?यम से महिला आश्रम में आश्रय दिया। तब से उर्मिला यहां रह रही है।

आगामी 11 जुलाई को होगा विवाह-

संस?था के संचालक श्री ठाकुर ने बताया कि भोपाल के शुभम राठौर से उर्मिला का विवाह तय हुआ है। शुभम के परिजनों के साथ तय किया है कि 11 जुलाई को उर्मिला का विवाह पहले कोर्ट के माध?यम से और इसके बाद हिंदू रीति रिवाज से कराया जाएगा। उन?होंने बताया कि संस?था अब तक 4 बालिकाओं का कन?यादान कर चुकी है।

मुस्कान परिवार के सदस्य विक्रम सिंह,नितिनवर्मा,ऋतु राजपूत,शालिनी यादव,विशाखा अंजिकर,मोना जॉनसन,कृष्ण केवट,ज्योति राव,गीता कहार, वंदना मजूमदार,सत्रांति, रानी राजपूत उपस्थिति थे।

जेवीपीएल टूर्नामेंट में सिंघम और प्रेस क्लब ने जीते अपने अपने मैच

सिवनी- जेवीपीएल टूर्नामेंट के लीग मैच के दौरान दो मैच खेले गए पहला सिंघम और एमसीसी के मध्य खेला गया जिसमें एमसीसी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर मै 2 विकेट के नुकसान पर 91 रन बनाकर 92 रनो लक्षय दिया एमसीसी की और से नीरज ने 23 गेंदों मै 44 रनो की पारी खेली

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिंघम ने 9.3 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 92 रन बना कर यह मैच 5 विकेट से जीत लिया इस मैच के मैन ऑफ द मैच गौरव ठाकुर रहे।

दूसरा मैच प्रेस क्लब और हेल्थ क्लब के मध्य हुआ हेल्थ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर मै 5 विकेट के नुकसान पर 80 रन बनाकर प्रेस क्लब को 81 रनो का लक्ष्य दिया। हेल्थ की और से विवेक भगत ने 15 गेंद पर 25 रनो की पारी खेली। प्रेस क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार बालिंग और फिल्डिंग का प्रदर्शन करते हुए हर तरफ जबरदस्त क्षेत्र रक्षण किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रेस ने यह लक्ष्य 9 ओवर मै 2 विकेट के नुकसान पर 81 रन बनाकर 8 विकेट से यह मैच जीत लिया। प्रेस क्लब की और से अंकित ने 27 गेंदों में 47 रनों की धुआँधार पारी खेलकर इस मैच के मेन ऑफ द मैच बने।

दोनों मैचो मै निर्णायक की भूमिका बंटी बिसेन, सुनील सिंह, सुनील यादव और सदाम खान रहे।

हत्या के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

मण्डला--जिले में विगत दिनों दिनांक 26/04/2024 को रिपोर्टकर्ता निवासी ग्राम कोहानी पुलिस चौकी मनेरी थाना बीजाडांडी जिला मंड़ला ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि दिनांक 26/04/2024 आरोपी जोरा उर्फ जोराबल यादव पिता दुखिया यादव उम्र 40 साल निवासी ग्राम कोहानी चक्की टोला पुलिस चौकी मनेरी थाना बीजाडांडी जिला मंड़ला ने लम्मू यादव पिता श्री दुर्गलाल यादव उम्र 48 साल निवासी ग्राम कोहानी पुलिस चौकी मनेरी थाना बीजाडांडी जिला मंडला को बांस के डन्डे से सिर पर जान से मारने की नियत से मारकर हत्या कर दी है। उक्त रिपोर्ट पर से थाना बीजाडांडी मे आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 118/2024 धारा 302, 294, 506 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। आरोपी जोरा यादव जो कि घटना दिनांक से लगातार फरार चल रहा था जिसकी तलाश लगातार पुलिस द्वारा की जा रही थी। तलाशी के दौरान थाना निवास पुलिस को भी इसकी सूचना दी गयी थी। थाना निवास पुलिस के सहयोग से थाना बीजाडांडी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय निवास पेश किया गया है।

उक्त कार्यवाही में उनि पंकज विश्वकर्मा, उनि राम किशोर माथरे, उनि पुनीत बाजपेई, उनि साबीर खान, प्रधान आरक्षक नारायण उइके, प्र.आर. रवीन्द्र मरावी, आर. अनुपम तिवारी, आर. आनंद कोरी, आर. कैलाश उपाध्याय, आर. 627 रोहित कुमार कुशवाहा, आर. प्रशांत अवस्थी, आर. आलोक मरावी, आर. रोहित सिंगौर, आर. देवेन्द्र धुर्वे, आर. पंचम धुर्वे, आर. जय सिंह, म.आर. संगीता , म.आर. सनीता तेकाम, म.आर. आरती मल्लाह, आर. जवाहार विशिवकर्मा की विशेष भूमिका रही ।

ग्रामों में रेवेन्यू कैंप का आयोजन कर राजस्व प्रकरणों का मौके पर निराकरण करे: कलेक्टर

कलेक्टर ने सीमांकन के लिए पटवारियों को आदेशित करने के दिए निर्देश

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. की अध्यक्षता में मंगलवार को राजस्व समीक्षा बैठक जिला पंचायत सभाकक्ष छतरपुर में सम्पन्न हुई। बैठक में एडीएम मिलिंद नागदेवे, सहायक कलेक्टर कॉजोल सिंह सहित एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री जीआर द्वारा राजस्व समीक्षा बैठक में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, फौती नामांतरण, न्यायालयीन प्रकरण, लंबित सीएम हेल्पलाइन, मांग वसूली, नक्शा शुद्धिकरण, धारणाधिकार आदि बिन्दुओं की समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री जी.आर. ने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया की रूटीन कामों में गति लाएं। उन्होंने कहा की कोर्ट में एक समान केस की सुनवाई के समय मौके पर पटवारी को बुलाएं। उन्होंने कहा जो आदेश होते हैं उनका तत्काल अनिवार्य रूप से पालन हो। कलेक्टर ने निर्देश दिए की गांव-गांव जाकर रेवेन्यू कोर्ट लगाएं और मौके पर सुनवाई कर प्रकरण का निराकरण करें। कलेक्टर ने साइबर तहसील अंतर्गत निर्देशित देते हुए कहा कि सूचना पत्र तामिली एवं पटवारी रिपोर्ट लंबित न रहे। उन्होंने निर्देश दिए की प्रतिदिन पटवारियों की मीटिंग कर एक माह तक कार्यों की मॉनिटरिंग करें। कलेक्टर ने तहसीलदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सीमांकन के लिए पटवारियों को आदेशित करें। ताकि कार्य में प्रगति बढ़ सके। कलेक्टर ने एडीएम को निर्देशित किया कि जिन अधिकारियों की टूर डायरी नहीं आए उनकी सैलरी रोकने की कार्यवाही करें।

कलेक्टर श्री जी.आर. ने श्रद्धांजलि अभियान में लोगों के तत्काल फौती नामांतरण करें। साथ ही प्रत्येक ग्राम में बी1 का वाचन कराएं। उन्होंने कहा गांव में रात्रि विश्राम भी करें और लोगों की समस्याओं को सुलझाएं। उन्होंने कहा नामांतरण, बंटवारा होने पर नक्शा भी अपडेट दिखे। उन्होंने कहा आदेश पारित होते ही अमल हो। उन्होंने वन व्यवस्थापन के मामलों को फेज वाइज विजिट करते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा मौके स्थल पर परीक्षण में एवं रिकॉर्ड में समानता रहे। उन्होंने 6 माह से अधिक दिवस के लंबित केसों में प्रगति लाते हुए निराकृत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सीमांकन कार्य सहित अन्य राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाते हुए अच्छा कार्य करने पर नौगांव तहसीलदार संदीप कुमार तिवारी एवं नायब तहसीलदार सुश्री पूजा भोरहरी के कार्य की सराहना की।

कलेक्टर श्री जी.आर. ने निर्देश दिए कि रीडर्स एवं ऑपरेटर्स आपस में समन्वय के साथ कार्य करें। साथ ही इन्हें टेऊनिंग भी दें। उन्होंने निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन शिकायतों को पूरा पढ़े और आवेदक एवं पटवारी को साथ में बुलाकर समस्या का निराकरण कराएं। उन्होंने कहा राजस्व कार्यों में प्रगति बढ़ाएं और प्रकरणों में अपील दर्ज होते ही आदेशों की कॉपी तैयार करलें।

समापन *23 दिन के कैंप में 160 बच्चों ने विभिन्न विधाओं को सीखा*

ओलम्पस के समर कैंप ओलम्पिया का समापन

सांध्य प्रकाश, विदिशा। ओलम्पस हाई सीनियर सेकेंडरी स्कूल द्वारा आयोजित 23 दिन के समर कैंप ओलम्पिया का समापन 21 मई को शानदार ढंग से हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे विधायक मुकेश टंडन ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया तथा विद्यालय के प्रयासों की प्रशंसा की। विशिष्ट अतिथि केएन शर्मा पूर्व प्राचार्य एमएलबी ने भी अपने उद्बोधन में बच्चों को अनुशासन व प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में बच्चों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। अपने स्वागत भाषण में स्कूल संचालक मोहित रघुवंशी ने बताया कि किस प्रकार विद्यालय इस प्रकार की गतिविधि अपने विद्यार्थियों को सालभर देता है जिससे बच्चे सर्वांगीण विकास हेतु तैयार होते हैं। कैंप में 160 बच्चों ने जो कि विदिशा व बाहर के भी कई शहरों से आये हैं, उन्होंने स्विमिंग, स्केटिंग, बैडमिंटन, फुटबॉल, आर्ट एंड क्राफ्ट, डांस, म्यूजिक आदि विधाओं को सीखा। स्कूल न सिर्फ को-करिकुलर गतिविधि बल्कि अकादमिक में भी पूरी तैयारी करता है, जिसका परिणाम कक्षा 12वीं के रिजल्ट में दिखा, जिसमें विद्यालय की छात्रा उदिशा शर्मा ने कॉमर्स में 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शहर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में स्कूल संस्थापक यशपाल सिंह, प्राचार्या प्राची रघुवंशी, अभिभावक, स्टाफ व बच्चे सम्मिलित हुए।

रेल पटरी पर आकर प्रेमी युगल ने दी जान

सांध्य प्रकाश, विदिशा। मंगलवार की सुबह बंटी नगर क्षेत्र में रेल पटरी पर एक प्रेमी युगल ने अज्ञात ट्रेन के सामने आकर मौत को गले लगा लिया। दोनों के शव आसपास ही पड़े थे। युवक का एक हाथ और गर्दन कटकर अलग हो गए थे। जबकि युवती का सिर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना मंगलवार सुबह की बताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर आई और दोनों के शव जप्त कर जिला अस्पताल पीएम के लिए भेजा गया है। वहीं जानकारी आने के बाद प्रेमी युगल के साथ काम करने वाले कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे। कर्मचारियों से हुई बातचीत में मृतक का नाम निवाड़ी निवासी 23 वर्षीय भुजबल और युवती का नाम टीकमगढ़ निवासी 20 से 22 वर्षीय विनीता केवट के रूप में पहचान की गई। कोतवाली थाना क्षेत्र में हुई इस घटना के मामले में टीआई मनोज दुबे ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह प्रेमी युगल द्वारा आत्महत्या प्रतीत होती है।

उन्होंने बताया कि दोनों विदिशा के बंटी नगर स्थित एक निजी कपड़े की कंपनी में काम करते थे। मामले की पड़ताल की जा रही है तो वहीं परिजनों को इस संबंध में सूचना दी गई है।

बच्चों की नर्मदा में डूबने से मौत

सांध्य प्रकाश, विदिशा। आर्य गुरूकुल में सार्वदेशिक आर्य वीर दल द्वारा आयोजित चरित्र निर्माण शिविर में शामिल होने नर्मदापुरम गए विदिशा के शमशाबाद थानांतर्गत ग्राम वर्धा के दो बच्चों 17 वर्षीय केशव पुत्र बबलू धाकड़ और आर्यन पुत्र रामबाबू धाकड़ की नर्मदा में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई।

सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड ने ईएमसी लिमिटेड का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली, एजेंसी। सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड (बीएसई 540642, एनएसई), एक वन-स्टॉप इंजीनियरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सोल्यूशन प्रोवाइडर है। कंपनी रेलवे और पावर सेक्टर्स के लिए टर्नकी ईपीसी सर्विसेज़ देने में लगी हुई है और टेलीकॉम टावर्स, मोनोपोल और दूसरे हैवी स्टील स्ट्रक्चर्स की डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग में भी लगी हुई है। कंपनी ने घोषणा की कि उसने ईएमसी लिमिटेड का अधिग्रहण जैसा है जहां है, जैसा है जो है, जो कुछ भी है और दायित्व रहित के आधार पर एक चालू संस्था के रूप में निष्पादित किया है। यह अधिग्रहण लिक्विडेटर द्वारा जारी ई-ऑक्शन प्रॉसेस इन्फर्मेशन डॉक्यूमेंट में उल्लिखित टर्म और कंडिशंस के अनुपालन में निष्पादित किया गया है। लिक्विडेटर द्वारा सालासर के पक्ष में बिक्री पूरी होने की पुष्टि करते हुए एक सेल सर्टिफिकेट जारी किया गया है। इससे पहले, सालासर ने घोषणा की थी कि उसने ईएमसी लिमिटेड (पूर्व में जिसे इलेक्ट्रिकल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) के अधिग्रहण के लिए 1,680 मिलियन रुपये की शेष राशि का भुगतान प्रभावी ढंग से पूरा कर लिया है। यह सालासर की बाज़ार में उपस्थिति और क्षमताओं के विस्तार की निरंतर खोज में एक महत्वपूर्ण क्षण को दर्शाता है। उपरोक्त स्थिति पर टिप्पणी करते हुए, सालासर की मैनेजमेंट टीम ने कहा कि, ईएमसी लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए भुगतान समय पर पूरा होने की घोषणा करते हुए हम रोमांचित हैं, जो स्ट्रेटिजिक एक्सपेंशन की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन है। फुल अमाउंट का शीघ्र निपटान करने की हमारी क्षमता हमारी योजनाओं को सटीकता और चपलता के साथ क्रियान्वित करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

लैंक्सेस को वर्ष 2024 में आय में 10 से 20 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद

मुंबई, एजेंसी। रसायन उद्योग के कमजोर वैश्विक आर्थिक माहौल से पहली तिमाही के नतीजों के प्रभावित होने के बावजूद विशेष रसायन कंपनी लैंक्सेस को चालू वित्त वर्ष में आय में 10 से 20 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। पहली तिमाही में, बिक्री में 15.4 प्रतिशत की गिरावट आई और यह पिछले वर्ष की अपेक्षाकृत मजबूत तिमाही के 1.899 बिलियन यूरो की तुलना में 1.607 बिलियन यूरो तक पहुंच गई। एबिटा (पूर्व असाधारण स्थिति) 101 यूरो मिलियन रहा, जो पिछले वर्ष के 189 मिलियन यूरो के आंकड़े से 46.6 प्रतिशत कम है। आय में गिरावट का मुख्य कारण कम बिक्री मूल्य और कई ग्राहक उद्योगों में लगातार कमजोर मांग रही। बिक्री की मात्रा में वृद्धि की वजह से 2023 की चौथी तिमाही की तुलना में, थोड़ी बढ़ोतरी के संकेत हैं। पिछली तिमाही की तुलना में, बिक्री 11.9 प्रतिशत बढ़कर 1.436 बिलियन से 1.607 बिलियन यूरो हो गई, वहीं एबिटा (पूर्व असाधारण स्थिति) 2023 की चौथी तिमाही में 97 मिलियन की तुलना में 4.1 प्रतिशत बढ़कर 101 मिलियन यूरो हो गई। एडवांस्ड इंटरमीडिएट्स (+54) व्र) और स्पेशलिटी एडिटिव्स (+17व्र) सेगमेंट में एबिटा (असाधारण पूर्व स्थिति) में विशेष रूप से मजबूत वृद्धि रही।

इंसोलेशन एनर्जी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 24 में कंसोलिडेटेड कर बाद लाभ में 419.50 प्रतिशत वृद्धि की रिपोर्ट दी

मुंबई एजेंसी। इंसोलेशन एनर्जी लिमिटेड (बीएसईः आईएनए) हाई परफॉर्मेंस सोलर पैनल्स, बैटरीज और पावर कंडीशनिंग यूनिट्स (पीसीयू) के उत्पादन में सुविज्ञता रखने वाली भारत की सोलर एनर्जी क्षेत्र की एक प्रमुख खिलाड़ी, कंपनी ने वित्त वर्ष 24 की दूसरी छमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए इंसोलेशन एनर्जी लिमिटेड चेयरमैन श्री मनीष गुप्ता और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री विकास जैन ने कहा,हम सहर्ष इन उत्कृष्ट परिणाम की घोषणा करते है.हमारे प्रोडक्ट आफरिंग को बढ़ाने के लिए हमारा अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग करने पर फोकस निरंतर बना हुआ है और बढ़ता हुआ बाजार पैठ हमारी सफलता के लिए महत्वपूर्ण है.हमारा लक्ष्य उल्लेखनीय वैल्यू डिलीवर करते समय रिन्यूएबल एनर्जी की दिशा में ग्लोबल ट्रांजिशन के प्रति निरंतर योगदान देना है. एबिटडा और कर बाद लाभ मार्जिन में सकारात्मक रुझान प्रभावी ढंग से लागत को व्यवस्थित करने और कामकाज को अधिकतम करने की हमारी क्षमता पर रोशनी डालते है, जो सोलर एनर्जी उद्योग में एक लीडर के रूप में हमारी पोजीशन की फिर से पुष्टि करती है।

ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम आज खुलेगा

मुंबई एजेंसी। सीबीआरई रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सबसे बड़ी फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस सॉल्यूशंस कंपनी, ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस लिमिटेड (कंपनी), 22 मई 2024 को इक्विटी शेयरों का अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (ऑफर) खोलने का प्रस्ताव करती है। एंकर निवेशक बोली की तारीख बोली/ऑफर खुलने की तारीख से एक कार्य दिवस पहले है, यानी 21 मई, 2024 को। बोली/ऑफर बंद होने की तारीख 27 मई, 2024 को होगी।इस बैंड 364 प्रति इक्विटी शेयर से 383प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 39 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 39 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगाई जा सकती हैं।ऑफर में 1,280.00 मिलियन तक के कुल मिलाकर इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू (ताज़ा इश्यू) और मिलियन तक के कुल मिलाकर 12,295,699 इक्विटी शेयरों (ऑफर किए गए शेयर) तक की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। जिसमें कुल मिलाकर 6,615,586 इक्विटी शेयर शामिल हैं, जो कि पीक एक्सवी पार्टनर्स इन्वेस्टमेंट्स ङ्क (पूर्व में स्क्वॉइ इन्वेस्टमेंट्स ङ्क के रूप में जाना जाता था) (पीक एक्सवी या प्रमोटर सेलिंग शेयरधारक) द्वारा मिलियन तक है, कुल मिलाकर 5,594,912 इक्विटी शेयर तक बिस्क लिमिटेड द्वारा मिलियन तक और लिंक इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट द्वारा मिलियन तक कुल मिलाकर 85,201 इक्विटी शेयर (सामूहिक रूप से, सेलिंग शेयरधारक और बेचने वाले शेयरधारकों द्वारा इक्विटी शेयरों की बिक्री के लिए ऐसे प्रस्ताव, बिक्री के लिए प्रस्ताव) शामिल हैं। यह ऑफर हमारी कंपनी की पोस्ट-ऑफर प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी का प्रतिशत होगा। ऑफर में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए 20.00 मिलियन (हमारी कंपनी की पोस्ट ऑफर पेड-अप इक्विटी शेयर पूंजी के प्रतिशत तक का गठन) तक कुल मिलाकर इक्विटी शेयरों तक का आरक्षण शामिल है (कर्मचारी आरक्षण भाग)। कर्मचारी आरक्षण भाग को घटाकर इस ऑफर को इसके बाद नेट ऑफर कहा जाएगा। ऑफर और नेट ऑफर हमारी कंपनी की पोस्ट-ऑफर पेड-अप इक्विटी शेयर पूंजी का क्रमशः प्रतिशत और प्रतिशत होगा। हमारी कंपनी, बुक रनिंग लीड मैनेजरों के परामर्श से, कर्मचारी आरक्षण भाग (कर्मचारी के तहत बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को प्रस्ताव मूल्य पर प्रतिशत (प्रति इक्विटी शेयर के बराबर) तक की छूट दे सकती है।

अदृश्य आत्माओं का गोलमेज सम्मलेन

डॉ .स्वाति तिवारी

मैंने उनका नाम अपनी एक लेखक मित्र से सुना था ,उसने बताया था कि वे ऑथर्स क्लब के अध्यक्ष है और तुमसे मिलना चाहते हैं.मेरे लिए यह थोड़ी प्रसन्नता और थोड़ी विस्मय भरी खबर थी .मुझसे क्यों मिलना चाहते हैं ?

मेरी मित्र ने पूछा वो तुम्हारा नंबर मांग रहे हैं क्या दे सकती हूँ. '

हाँ ! नम्बर देने में क्या परेशानी है,दे दो ,हो सकता है कोई बात करनी हो.

शाम को उनका फोन आ गया था ,वे मुझे कहानी पाठ के लिए आमंत्रित कर रहे थे, ऑथर्स क्लब के एक आयोजन के लिए. मैंने उन्हें सहज स्वीकृति देते हुए धन्यवाद दिया .हमारी बातचीत यहीं से शुरू हुई थी .मैं उनके कार्यक्रम में समय पर कहानी पाठ के लिए पंहुच गई थी .उस संस्था के ज्यादातर सदस्य प्रौढ़ उम्र के ही थे .और तब मेरी उम्र शायद चालीस के आसपास रही होंगी .कहानी पाठ अच्छा रहा. मेरी आवाज लोगों को पसंद आती है और कहानी कहने का अंदाज भी .मेरी कहानी उनके सदस्यों को खूब पसंद आई और उन्होंने एक और कहानी की डिमांड रख दी .उस उम्र में लिखना भी और कहानी सुनाना भी एक जोश था जो कहानी लिखने को प्रेरित करता था .इस आयोजन का एक प्रभाव तो मुझे तत्काल ही दिखा उनके सदस्यों के बीच मेरी लोकप्रियता को देखते हुए उन्होंने मुझे उस क्लब की मानद सदस्यता देने की घोषणा ही कर दी .इस तरह से मेरा उनके साथ संवाद शुरू हुआ था .

क्लब की अगली मीटिंग में भी मुझे कहानी पाठ कर रहे लेखक की कहानी पर समीक्षात्मक टिप्पणी के लिए आमंत्रित कर लिया.इस बार उनसे मेरा परिचय थोड़ा और बढ़ गया. इस बार मीटिंग उनके घर पर थी .मीटिंग के बाद उन्होंने बताया कि वे मनोविज्ञान विभाग के डीन हैं,और परामनोविज्ञान पर उनकी सतत रिसर्च चल रही है .

मेरे लिए उनके काम के प्रति जिज्ञासा यही से शुरू हुई .वे लगभग रिटायरमेंट के आसपास ही होंगें .इतना लंबा अनुभव और वह भी बिलकुल अलग ही विषय पर ! मैंने उनसे जानना चाहा कि ये विषय क्या है और उनके अनुभव कैसे रहे रिसर्च में .और मनोविज्ञान और परा मनोविज्ञान में क्या अंतर है? वे बातचीत करते हुए हंस दिए एक पागलों का विषय और दूसरा पागल कर देने वाला विषय !

मैं भी हंस दी ,मैं भी इसी में आगे पढ़ना चाहती थी पर पेरेंट्स ने कहा लड़कियों के विषय ससुराल जाने के नहीं होते पागल खाने जाने का रास्ता होता है.तुम्हे जॉब करना है ना तो जॉब को देखते हुए इसमें ज्यादा गुंजाइश नहीं है. तुम साइंस का कोई विषय लो ,और मैं मनोवैज्ञानिक बनने के बजाय विज्ञानी बन गयी. वे फिर हंसें अरे लेखक तो वैसे ही मनोविज्ञानी होता है, परकाया प्रवेश करता है, फिर आप तो डबल फायदे में है, विज्ञानी होने से मनोविज्ञान को भी क्रमबद्ध कर लेती हैं कहानियों में

लेकिन आप मुझे दोनों में अंतर समझाइये सर !

वे थोडा सा रुके जैसे दुविधा में हों, फिर बोले- एक जटिल विषय को एक विद्यार्थी को समझाना सरल होता है, लेकिन एक लेखक को समझाना थोड़ा सा कठिन ! पर समझ लीजिये कि परामनोविज्ञान, मनोविज्ञान की शाखा है, जो असाधारण या मानसिक घटनाओं की वैज्ञानिक जांच से संबंधित है. इसकी सामान्य अनुसंधान द्वारा जानकारी एकत्र की जाती है. दूरदर्शिता, पुनर्जन्म या पूर्वाभास भी हो सकते है इसमें.

कह सकते हैं कि यह एक गुप्त विद्या ही है . गुप्त विद्या, जैसा कि इसे लोकप्रियरूप से कहा जाता है, मेरे पास शोध करने में सहायता के लिए कई अनुरोध आते रहते हैं.लेकिन व्यक्ति की रुचि, भूत प्रेत, जादू, हस्तरेखा विज्ञान, टोना-टोटका , यूएफओ, बिगफुट या योग जैसे विषयों में हो तो ही वह गुप्त विद्या में काम कर सकता है।

यों भी समझ सकती हैं जैसे किसी व्यक्ति की रुचि परा-मनोविज्ञान में हो सकती है, जो दूरदर्शिता, पुनर्जन्म और अन्य असाधारण घटनाओं की वैज्ञानिक जांच से संबंधित होती है। वे बताने लगे उनकी रूचि केवल मनोविज्ञान और क्लिनिकल मनोविज्ञान तक ही थी ,लेकिन जब वे एक शोध के सिलसिले में वे अमेरिका गए और वहां उन्होंने परामनोविज्ञान और मनोवैज्ञानिक अनुसंधान का विश्वकोश 6न्यूयॉर्क- पैरागॉन हाउस, 19918 देखा जिसमें परामनोविज्ञान में पाठ्यक्रम प्रदान करने वाले स्कूलों की एक विस्तृत ग्रंथ सूची और परिशिष्ट मिले थे ।वही से मेरी रूचि इस तरफ मूढ़ गई .फिर तो जैसे मेरे शोध के विषय की दिशा ही बदल गई क्योंकि मैंने वहां गुइली, रोज़मेरी की भूत-प्रेतों का विश्वकोश . (न्यूयॉर्क- फैक्ट्स ऑन फाइल, 1992) । भूतों, आत्माओं और अन्य असामान्य भूतों से संबंधित सभी विषयों की विस्तृत जानकारी देखी और मैं इस तरफ खींचता चला गया था । तब मैंने वहां बर्जर, आर्थर एस.की लाइव्स एंड लेटर्स इन अमेरिकन पैरा साइकोलॉजी-ए बायोग्राफिकल हिस्ट्री पढी.

मैंने सहज सा प्रश्न कर डाला आपको डर नहीं लगा?

शुरू शुरू में तो लगा पर फिर मेरे लिए यह एक विषय हो गया लेकिन एक बार जब में एक रिसर्च कर रहा था अपनी ही लाइब्रेरी कम लेबोरेटरी में तब मैंने पहली बार साक्षात मृत्यु जैसा ही डर महसूस किया था.

मेरे रोंगटें खड़े होने लगे बाप रे ! ऐसा भी क्या शोध का चस्का.

वे मुस्कुरा दिए ,रुक गए बात करते करते जैसे बताना भी चाह रहे थे और रहस्य की तरह छुपाना भी.

मैंने उन्हें उकसाया और भय मिश्रित स्वर में पूछ ही लिया फिर

फिर क्या उनसे मैंने बातें की

मतलब

मतलब उन सभी आत्माओं से और फिर अपनी शोध पूरी की.

लेकिन यह कैसे हो सकता है मैंने कुर्सी का हेंडल कस कर पकड लिया. एक पल को उनके चहरे का भाव उनका नहीं रहा लगा .एक पल को यह भी लगा कि मेरे सामने जो बैठे हैं मनोविज्ञान के प्रोफ़ेसर वे मनुष्य नहीं कोई आत्मा ही तो नहीं ,एसा भाव चहरे पर जो आलौकिक भी था और परालौकिक भी. वो शाम का समय था ,शाम इसी तरह तो अजीब भाव लेकर अँधेरे में प्रवेश कराती है . यह यह भावपूर्ण निपुणता का ही था क्योंकि पूर्ण निपुणता के लिए, हमें आध्यात्मिक और वैज्ञानिक, दोनों प्रकार की समझ की आवश्यकता होती है।जो उनमे दिख रही है अंधे अंधेरे में वे प्रवेश करते हैं जो अज्ञान का अनुसरण करते हैं 1, वे मानो

और भी बड़े अंधेरे में जाते हैं जो खुद को केवल ज्ञान के लिए समर्पित करते हैं।

जो उसे ज्ञान और अज्ञान दोनों के रूप में एकसाजानता है, वह अज्ञान के द्वारा मृत्यु को पार कर जाता है और ज्ञान के द्वारा अमरता का आनंद लेता है।

कहीं ये उसी दिशा में तो प्रवेश नहीं कर चुके परम आनंद की रहस्यात्मक शक्ति के साथ, मैं संशय में आ गयी थी अब उठ कर जा भी नहीं सकती थी ,और सुनने की हिम्मत भी जवाब दे रही थी .रात कोई डरावनी फिल्म देख कर तकिये के निचे सरोता ,चाकू और राई रखने वाली मैं इस समय इनके भूत प्रेत किस्से के बाद गाड़ी चला कर घर तक जाउंगी कैसे?

वे धीरे से बोले पानी। उनकी पत्नी हमारे लिए चाय नाश्ता लगा रही थी वे पानी का ग्लास उन्हें पकड़ा कर बैठ गई .उन्होंने पति को रोकना चाहा 'आप कहाँ की रामायण ले बैठे ,इन्हें जाने दो छोटे बच्चे हैं इनके ,बेकार में डर गई तो मुश्किल में पड जायेंगी.'

उन्होंने बंद आँखे खोल दी, अरे बहुत हिम्मत वाली है, लेखक हैं इन्हें डर से लड़ना आना चाहिए ,नहीं तो लिखेंगी कैसे किसी भूतहां प्रसंग को.

क्या हुआ कि बोलते बोलते वे रुक गए

मैं अपनी रिसर्च के 100 में से केवल दो प्रसंग सुनाऊंगा आपको 'एक आज एक फिर कभी.

शायद कभी आप इन्हें कहीं अपने लेखन में उदाहरण के रूप में प्रयुक्त कर सकें.लेखक के पास हर विषय की थोड़ी बहुत समझ होनी ही चाहिए .उन दिनों में भूत और प्रेत आत्माओं पर काम कर रहा था मेरे पास दुनिया भर से लगभग से 20 रिसर्च पेपर आये हुए थे जो इन पर तैयार किये गए थे लेकिन वे किसी अवधारण तक नहीं पंहुच पाए थे .उनमे एक भी पेपर काल्पनिक नहीं था ,वह घटना कहीं न कहीं घटित हुई थी ,सभी रिसर्च पेपर मेरी लेबोरेट्री कम लाइब्रेरी में थे ,उन दिनों मैं विदेश में अध्ययन कर रहा था .मुझे बार बार न्यूयार्क की पब्लिक लाइब्रेरी जाना पड़ता था क्योंकि वहां गुप्त विद्या पर सामग्रियों का व्यापक संग्रह है.

दिन भर मैं अलग अलग लाइब्रेरियों में पढ़ता .नोट्स बनाता और रात को अपनी लेबोरेट्री में आ जाता .रात इस तरह के अध्ययन के लिए उपयुक्त समय होता है ,यह मुश्किल विषय होते है और कई बार मन को विचलित भी कर देते है ,इन्हें शान्ति से गहराई से और एकाग्रता से ही समझना और समाधान तक जाना संभव होता है .

उस रात लगभग 11 बजे होंगे मेरा घर महानगर से दूर एक नदी किनारे था जो एक गाँव में मिला था, मुझे कम पैसे में और ज्यादा दिनों के लिए रहने के लिए वह उपयुक्त लगा था .उस समय अमेरिका भी आज जैसा नहीं था .साधन और सुविधाएं भी कम ही थे .मैं ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल तक बस से जाता और फिर स्टेशन से ट्रेन लेता और अपने स्टेशन पर उतर कर वहां से एक पगडण्डी पर चलता हुआ उस सुनसान रास्ते को क्रॉस कर 45 मिनिट का वाक करते हुए घर जाता . रेंटल कार मिलती थी, पर उन दिनों मुझे ड्राइविंग नहीं आती थी और पैसे बचाने का ख्याल तो हम भारतीयों पर भूत की तरह सदा रहता है.

पगडंडी वाले रास्ते में एक कब्रिस्तान भी आता था .अमेरिका में कब्रिस्तान सुन्दर पार्कों वाले होते है .सजावटी भी. फूलों से कोई ना कोई कब्र सजी ही रहती मैंने देखी थी .मेरे मन में एक अच्छा ख्याल आया था उस दिन एक कब्र को देख कर. कितना अच्छा है इस संस्कृति में जब अपने किसी प्रिय की याद आये तो उसकी कब्र पर जा सकते है, बैठ सकते है कुछ देर उसके पास .अपने मन की बातें वहां कह कर मन हल्का कर सकते है .एक हमारे यहाँ कि परम्परा हैं जहाँ राख और फूल भी सब सौरसार कर नदियों में प्रवाहित कर देते है,कुछ भी बाद के लिए नहीं रखते ,एक दिन का श्राद्ध करो बस,याद करने का एक कोना भी नहीं रखते घर में.

यही सब सोचते हुए मैं उस कब्रिस्तान को देखने उसके अन्दर चला गया था.लेकिन जैसा मुझे बाहर से दिख रहा था वैसा मेरा केवल ख्याल ही था अन्दर कई कब्रें उपेक्षित ,जर्जर और कांटे उगी हुई दिखी .वातावरण शांत था. मेपल के पेड़ जगह जगह लगे थे ,कोई पक्षी बड़ी मधुर आवाज में गा रहा था उसे ना सुन कर मैं एक कोलाहल को सुन रहा था .मुझे बैचेनी होने लगी मैंने पानी की बोतल निकाली और एक घूँट पानी पिया ही था कि मुझे लगा मेरे चारों तरफ प्यासे लोगों के हाथ फ़ैल गए है .आई वांट वाटर , आई वांट वाटर ,--जैसे वे सदियों से प्यासे हैं लोग यहाँ फूल तो यदाकदा रख जाते है पर पानी पिलाने की परम्परा नहीं है . हम भारतीय तर्पण करके जल अर्पित करते है .पानी का घड़ा .लोटा भर कर देहरी के पास भी रखते रहे हैं .बोतल जैसे पानी सोख रही थी . खाली होने लगी और भय से घबराया हुआ मैं वहां से निकलना चाहने लगा तो बोतल गिर गई और दो लीटर जल धरती ने पल भर में सोख लिया .जब मैं निकल रहा था तो कब्रें जैसे सिसक रही थी .मैं सुन रहा था उस क्रंदन को . करुण था वह क्रंदन .किसका था ,क्यों था .कदम जैसे मन भर भारी हो गए थे .तभी मुझे वहां देख एक व्यक्ति गेट से अंदर मेरे पास आया .

मेरी स्थिति ना निगलने की ना उगलने की ,बदहवास हालत रही होगी शायद.उसने फिर पूछा

क्या आपको कोई सहायता चाहिए?

मैं उस व्यक्ति को ध्यान से देखने लगा कहीं यह कोई –? वह एक पढ़ा लिखा सभी और समझदार लगा .मुझे भी वहां से बाहर निकलने का सहारा चाहिए ही था .

आप ठीक है ?

जी पानी चाहिए था .

ओके मेरी कार में है चलिए देता हूँ .

मैं उसके साथ गेट से बाहर निकल आया था ,कार में पानी की कई बोतल डिक्की में थी. मैंने एक और बोतल ली और खोल कर गेट के अन्दर रख दी .वह व्यक्ति मुझे देख रहा था ,वह मेरे सामान्य होने तक किसी बहाने रुका रहा फिर कुछ फूल उठाकर एक कब्र पर रख आया .तब तक मैं पहले से बेहतर महसूस कर रहा था .पसीना भी कम होने लगा और हार्ट बीट भी अब अपनी गति पकड़ रही थी.

आप को लिफ्ट चाहिए ,मैं इधर ही जाऊँगा.

'जी मेरा ब्लड प्रेशर थोड़ा बढ़ गया है शायद .

पता चला वे एक डॉक्टर हैं ,और मेरे घर के आगे गाँव है जहाँ उनका क्लीनिक है. मैं अब उनकी कार में था .हम एक दुसरे के बारे में बता चुके थे और वे यह जानकर मैं इस अजीब से विषय पर इंडिया में काम करता हूँ .आश्चर्य करने लगे. थोड़ी देर बातें होती रही अब हम मित्र बन गए थे.उन्होंने मुझे मेरे घर ड्राप किया और वे चले गए।

उस रात मेरे साथ जैसे कोई अदृश्य मेरे घर मेरी लेबोरेटरी तक आ गया था. ऐसा मैंने देखा नहीं पर मुझे महसूस हुआ था .मैं थक गया था और मानसिक परेशान भी था. बिना खाए पिए मैं सो गया ,.देर रात जब नींद खुली तो कुछ आहटें थी घर में .जैसे बातें कर रहें है कुछ लोग . यह तो समझ आ गया था कि मैं किसी संकट में हूँ इस वक्त .वैसे मैं डरता नहीं, लेकिन जब एक से ज्यादा स्वर हों तो डरना तो स्वाभाविक था .

मैंने लेम्प जलाएं .और अपने लिए ब्लैक कॉफी बनाई .तब मोबाइल नहीं आये थे. सर्दियों की रात थी वह. मैं लेबोरेट्री मतलब मेरी लाइब्रेरी की तरफ गया तो आवाजें स्पष्ट होने लगी. वे मेरे उन रिसर्च पेपर के ही पात्र थे जो चर्चा कर रहे थे , मैं वहीँ एक कुर्सी पर बैठ गया .मैंने देखा जब एक फ़ाइल हिलती तो कुछ ध्वनी होती फिर दूसरी फ़ाइल में हरकत होती .वे सभी आत्माएं फाइलों से निकल रही थी और एक टेबल के चारों तरफ मुझे उनकी उपस्थिति महसूस हो रही थी .उनका कोई गोलमेज सम्मेलन हो जैसे. मेरे किचन में भी आहटें थी शायद वे –.मैं हिल भी नहीं पा रहा था .काफी का मग भरा हुआ था पर पी नहीं सकता था . सन्नाटे नहीं मैं सनीपात की स्थिति में था .वे आत्माएं जाग गई थी .मैं अचेतन की तरफ जा रहा था और वे चेतन हो रही थी. शायद मुझे रोका जा रहा था उनके बारे में लिखने से .एक बार तो मुझे आत्महत्या तक कर लेने की अपनी मनस्थिति लगी थी . शायद अब मैं कभी इस दुनिया से बाहर नहीं आ सकूँगा .मैं चिपक गया था उस चेयर से .एक कमरा एक जिन्दा आदमी और अनगिनत हलचले थी मेरे आसपास.

फिर –

भय पर जिज्ञासा हावी हुई और मैंने पसीने की रेखाएं चहरे से पोंछते हुए पूछ लिया .उनकी पत्नी एक बार फिर चाय बना लायी थी.कप उठाया हम दोनों ने ही और वे बोले

उस दिन मेरा टाइप राइटर कागज़ निगल रहा था.

मेरी आँखे फ़ैल गई थी .जैसे मैं देख रही हूँ एक दृश्य को.

सुबह कब हुई मुझे पता ही नहीं चला .जब सुबह अंडे और ब्रेड की डिलेवरी वाला लड़का डोर बेल बजा कर गया तो नींद खुली . उठा तो मैंने अपने आसपास सब कुछ नार्मल देखा उठ कर दरवाजा खोला. पास वाले घर से मिस्टर बुश ने बाहर निकलते हुए गुड मोर्निंग की और पूछा -लगता है रात भर काम किया आपने .टाईप राइटर की आवाज पूरी रात आती रही.

मैं गुडमोर्निंग बोल कर मुस्कुरा दिया.अन्दर जाने के बजाय वहीँ बरामदे की सीढियों पर देर तक बैठा रहा .जब अन्दर गया तो मैं आश्चर्य चकित था ,मेरा रिसर्च थीसिस अपने निष्कर्ष के साथ टाईप किया हुआ उल्टा रखा था और सिगरेट के कई अध जले टुकड़े एश ट्रे में पड़े थे . वो सब मैंने उन जाग्रत आत्माओं के साथ बिताते हुए किया था .मैं उनसे डर रहा था. वे मुझे डरा रहे थे या मेरी मदद कर रहे थे,कुछ समझ नहीं पाया तब.

रिसर्च जो मुझे सालों साल करनी थी पिछले दो साल से मैं उन्हें पढ़ रहा था उन पात्रों को प्लेनचीट से बुलाना चाहता था वे उस रात खुद-ब-खुद आई एक साथ. मेरे जेहन में आई थी या कमरे में आज तक नहीं जान सका. और अब कभी नहीं जान सकता . पढ़ना चाहेंगी.

जी

उन्होंने एक पुस्तक मुझे दी .मैं लेकर आई लेकिन पढ़ नहीं पाई भय का कोई साया साथ आया था मेरे .मैंने पुस्तक हनुमान मंदिर में ले जा कर एक आलीये में रख दी .रात घर में ये जाग्रत हो गई तो ! इस ख्याल से ही पसीने पसीने हो गई .

अगले दिन मंदिर जाकर पुस्तक उठा लुंगी यह सोच जब मंदिर गई तो पुस्तक कोई और उठा ले गया था .अगले दिन उनका मुझे फोन आया अरे आपसे किताब गुम हो गयी?

जी, मैं मंदिर गई थी और रख कर भूल गयी.

मैं समझा आप डर गयी और मंदिर में छोड़ आई.

मेरे लिए घोर आश्चर्य था यह ,ये व्यक्ति क्या जासूस है ,इन्हें कैसे पता?

आपको कैसे पता चला, कोई आत्मा बता गयी क्या ,मैंने तंज कसा.

पुजारी जी मुझे जानते हैं. वे मेरा नाम पढ़ कर मुझे वापस दे गए.

ओह ! मैं शाम को लेती हूँ आपसे.

शाम को उन्होंने कल वाली कथा का अगला अंश सुनाया .जानती है यह कहानी यही ख़त्म हो जाती तो ठीक ,पर एसा नहीं हुआ !

क्योंकि मैं अपना शोध सम्मिट कर आया था और वह प्रस्तुत भी हुआ .मैं देश वापस आने वाला था .सोचा एक गिफ्ट और बुके धन्यवाद के लिए कब्रिस्तान में मिले उन डॉक्टर साहब के घर जा कर देना चाहिए . शाम को जाने से पहले खरीद लूँगा . मैं पब्लिक लाइब्रेरी चला गया कुछ बुक्स वापस करनी थी .काउंटर पर कुछ लोग थे,तो मैं काउंटर पर जमा हुई पुस्तकें उल्ट पलटने लगा ,तभी एक पुस्तक हाथ आई और उसमें लेखक की फोटो देख एक बार फिर मैं चौंक गया. यह तस्वीर हूबहू उन्ही डॉक्टर साहब की थी जिनसे मैं मिला था .मैंने पुस्तक का अंतिम पन्ना देखा लेखक का परिचय जानने के लिए .वे एक परा मनोवैज्ञानिक , साइकोलॉजिस्ट थे .नीचे उनके जन्म और मृत्यु की भी जानकारी थी .मैंने लाइब्रेरियन से उस लेखक की कुछ जानकारी मांगी .उसने एक पुस्तक मुझे दी जिसमें उनकी जीवनी थी . और सबसे बड़ी चौंका देनेवाली खबर यह थी कि उनकी कब्र वहीँ थी जहाँ वे मुझे मिले थे. हक्का बक्का सा मैं कई घंटे पुस्तक लिए बैठा रहा.

शाम को एक बुके कुछ कैंडल लेकर मैं वहां गया उनकी मजार से सूखे पत्ते हटाये सफाई की .कैंडल्स जलाए और फूलों का गुच्छा रख उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया.मैं अब भी सोच नहीं पाता हूँ क्या था वह?मेरा अवचेतन मन या उनकी चैतन्य आत्मा.

पॉकेट एफएम का नया कमाल, 4 सुपरहीरो सीरीज़ ने 700 मिलियन बार सुने जाने का बनाया रिकॉर्ड

सुपर योद्धा, द न्यू अवतार, शूरवीर और नंबर ज़ीरो जैसे सुपरहीरो शोज़ ने अब तक 70 करोड़ श्रोताओं का जीता दिल

नई दिल्ली, एजेंसी। मनोरंजन के डिजिटल स्वरूप की दिन-ब-दिन बढ़ती लोकप्रियता और सुपरहीरो जॉनर की अकूत संभावनाओं को देखते हुए ऑडियो सीरीज़ प्लेटफॉर्म पॉकेट एफएमने अपनी सुपरहीरो सीरीज़ की सफलता को लेकर आज एक दुर्लभ उपलब्धि से लोगों को अवगत कराने का फ़ैसला लिया. पॉकेट एफएमकी ओर से बताया गया कि उनकी चार सुपरहीरो ऑडियो सीरीज़ ऐसी हैं जिनमें से हरेक ने 100 मिलियन यानी 10 करोड़ से ज़्यादा बार सुने जाने का अनोखा कीर्तिमान स्थापित किया है.

हाल के वर्षों में भारतीय सुपरहीरोज़ ने पारंपरिक माध्यमों से बाहर निकलकर डिजिटल मीडिया में अपनी ख़ास जगह बनाने में सफलता पाई है. उल्लेखनीय है कि पॉकेट एफएमइस क्रांतिकारी बदलाव में एक अग्रणी भूमिका निभा रहा है. नंबर ज़ीरो (140रूप्लेज़), 'शूरवीर (250रूप्लेज़), 'द न्यू अवतार (190रूप्लेज़) और 'सुपर योद्धा (140रूप्लेज़) जैसे पुरस्कृत शोज़ की अपार सफलता की दास्तां खुद-ब-खुद बयां कर रहे हैं.

ग़ौरतलब है कि इन ऑडियो सीरीज़ ने ना सिर्फ़ सुपरहीरो जॉनर को आज के दौर में पुनर्भाषित किया है बल्कि इन सीरीज़ ने विभिन्न तरह के श्रोताओं को अपने साथ जोड़ा है, ख़ासकर 18 से 40 आयु वर्ग के तमाम श्रोताओं को. दिलचस्प किस्म की किस्सागोई, आवाज़ की दुनिया में किये जा रहे आकर्षक प्रयोगों और रोचक किरदारों से लैस पॉकेट एफएमके सुपरहीरो और साइंस-फ़िक्शन सीरीज़ ने दुनिया भर के श्रोताओं के दिलों में एक ख़ास जगह बना ली है.

पॉकेट एफएमके इंडिया और न्यू मार्केट हेड सुयोग गोथि ने इस मौके पर कहा, 100 मिलियन प्ले के जश्न के इस ख़ास मौके पर हमें यह बताते हुए बेहद खुशी का एहसास हो रहा है कि हमारे सुपरहीरो ऑडियो सीरीज़ को लोगों की ओर से अद्भुत प्रतिसाद मिल रहा है. सुपर योद्धा, द न्यू अवतार, शूरवीर, और नम्बर ज़ीरो जैसी सीरीज़ ने ना सिर्फ़ लोगों का खूब मनोरंजन किया बल्कि इनके ज़रिए लोगों ने विभिन्न तरह से प्रेरणा भी हासिल की और करोड़ों लोगों की कल्पनाओं को नई उड़ान प्रदान की. युवाओं को ये सभी सीरीज़ ख़ास पसंद आ रही है. उल्लेखनीय है कि सुपर हीरो और साइंस-फ़िक्शन संबंधित शोज़ अन्य शोज़ के मुक़ाबले लोगों को ज़्यादा पसंद कर रहे हैं और ऐसे जॉनर की कहानियां सुनने के प्रति लोगों के रूझान में तेज़ी से इज़ाफ़ा हो रहा है.

क्लीन एंड क्लियर ने नई डिजिटल फिल्म लॉन्च की

मुंबई, एजेंसी। हम क्लियर स्किन की इम्पोर्टेंस को समझते है जब आपकी स्किन सुंदर होती है तब आपको आत्मविश्वास महसूस होता है। लेकिन पिंपल होते ही टीनेज का सबसे बड़ा दुश्मन बन जाता है जो खुशी में बाधा डालकर उनकी सभी योजनाओं को रद्द करा देता है। भारत का अग्रणी टीन स्किनकेयर ब्रैंड, क्लीन एंड क्लियर अपने पिंपल ही तो है अभियान के अंतर्गत अपनी लेटेस्ट डिजिटल फिल्म पेश कर रहा है ब्रैंड के वादे पर बल देते हुए यह नई डिजिटल फिल्म टीनेज में पिंपल्स के प्रति एक नया दृष्टिकोण लेकर आई है, जो टीनेज युवाओं को पिंपल्स को स्वीकार करने और जीवन की महत्वपूर्ण चीजों पर फोकस करने के लिए प्रेरित करता है। इस अभियान की प्रेरणा के बारे में मनोज गाडगिल, वाईस प्रेसिडेंट, मार्केटिंग एवं बिज़नेस यूनिट हेड, एसेंशियल हैल्थ एंड स्किन हैल्थ, केन्व्यू ने कहा पिंपल टीनेज युवाओं के जीवन में उथल-पुथल मचा देते हैं इनका न केवल उनके सामाजिक जीवन पर, बल्कि आत्मविश्वास पर भी गहरा असर होता है। लाखों लड़कियों के भरोसेमंद, एक अग्रणी टीन स्किनकेयर ब्रैंड के रूप में क्लीन एंड क्लियर टीनेज युवाओं के जीवन और उनकी स्किन की इन छोटी-छोटी समस्याओं को दूर करने में यकीन रखता है, ताकि वो अपने जीवन की महत्वपूर्ण चीजों पर ध्यान केंद्रित कर सकें। हमारा नया व बेहतर क्लीन एंड क्लियर फोमिंग फेसवाश उनकी स्किन को नमी प्रदान करके पिंपल्स से जुड़ी समस्याओं को दूर करने का एक प्रभावी समाधान पेश कर रहा है। अब टीनेज युवा अचानक प्रकट होने वाले पिंपल्स को स्वीकार करके अपने जीवन का आनंद ले सकते हैं। डीडीबी मुद्रा ग्रुप की ग्रुप क्रिएटिव डायरेक्टर, हर्षदा मेनन ने कहा हमारा पिछला कैम्पेन पिंपल को लेकर टीनेज

युवाओं की सामाजिक चिंता को संबोधित करता था। इस बार हमने इस विचार को और आगे बढ़ाया है और पिंपल्स से जुड़ी संपूर्ण कहानी को चुनौती दी है। हम टीनेज युवाओं को उनका आत्मविश्वास वापस प्रदान करना चाहते हैं, और उन्हें बताना चाहते हैं कि पिंपल से सबकुछ खत्म नहीं हो जाता है।'' इस नए डिजिटल अभियान में एक टीनेज लड़की के जीवन में पिंपल को लेकर होने वाली चिंता को दिखाया गया है। पिंपल अचानक प्रकट होते हैं, और जीवन की योजनाओं में बाधा डाल देते हैं, और यंग टीनेज युवाओं का आत्मविश्वास कमजोर हो जाता है। क्लीन एंड क्लियर का मानना है कि मुंहासे युवाओं के जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं और यह ब्रांड इस धारणा को बदलने की कोशिश कर रहा है कि मुंहासों के कारण एक युवा लड़की को परेशानी या चिंता होनी चाहिए।

चौरई टी आई ने जबलपुर में नशे में कार के शीशे तोड़कर उतारा गुस्सा

एसपी ने किया निलंबित , चौरई थाने में हैं पदस्थ टीआई संजय भलावी

छिंदवाड़ा। चौरई के थाना प्रभारी संजय भलावी ने पड़ोसियों की कार के 8 शीशे फोड़कर अपना गुस्सा निकाला और लोगों के साथ गॉली गलौंच भी की। मामला सोमवार की रात का है। श्री भलावी छुट्टी पर जबलपुर गए थे। वे जबलपुर में भी लंबे समय से पदस्थ रहे हैं। जबलपुर में कालोनी में उत्पात मचाने का वीडियो सामने आने के बाद छिंदवाडा एसपी ने संजय भलावी को सस्पेंड कर दिया है। जानकारी के अनुसार उनका जबलपुर में आकर्षक एंक्लेव कॉलोनी में घर है। सोमवार रात ही वे छुट्टी पर जबलपुर गए थे। घटना के वीडियो सामने आए हैं। लोगों के मुताबिक टीआई नशे में कॉलोनी पहुंचे उन्हें इतना भी होश नहीं था कि वे ठीक से कार चला पाते कॉलोनी के गेट में पर्याप्त रास्ता होने के बावजूद भी भलावी अपनी कार नहीं निकाल पा रहे थे। इसका गुस्सा उन्होने कॉलोनी में खड़ी गाड़ियों पर उतारा वे अपनी कार से उतरे और पत्थर उठाकर गाड़ियों में तोड़फोड़ करने लगे।

लोग बाहर आए तो उन्हें धमकाया

टीआई के उत्पात मचाने पर जब लोग बाहर आए तो उन्होने लोगों को धमकाया उनसे अभद्रता की गौर पुलिस चौकी का स्टाफ मौके पर पहुंचा उन्होने भलावी को घर के अंदर किया घटना की पूरी जानकारी छिंदवाड़ा एसपी को जबलपुर एसपी ने दी जिस पर उन्हे सस्पेंड कर दिया गया।

एसपी ने किया निलंबित

जबलपुर एसपी आदित्य प्रताप सिंह ने छिंदवाड़ा एसपी मनीष खत्री को टीआई संजय भलावी के बारे में जानकारी दी छिंदवाड़ा एसपी ने संजय भलावी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया एसपी श्री खत्री ने बताया कि मामले में शिकायत नहीं हुई लेकिन थाना प्रभारी का आचरण उचित नहीं है उन्हें निलंबन अवधि में पुलिस लाइन अटैच किया गया है और विभागीय जांच भी की जाएगी।

कंस्ट्रक्शन कम्पनी को किया ब्लेक लिस्ट

छिंदवाड़ा। सड़क निर्माण में प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने विधानसभा अमरवाड़ा के अंतर्गत लहगडुआ से गुटेरा (बिछुआ) मार्ग, खारी हमीरा से रिछेड़ा मोहली भारत मार्ग व रंगपुर सगोनिया झिरना मार्ग, विधानसभा चौरई के अंतर्गत पाल्हारी बड्डाढाना तिघरा बांकानागनपुर मार्ग व सिरेगांव से मुआरी मार्ग और विधानसभा छिंदवाड़ा के अंतर्गत थांवरी सहपुरा सोनापिपरी मार्ग, सोनापिपरी पुलपुलडोह घोघरा मार्ग व ढीमरमेटा से कुहिया मार्ग निर्माण की धीमी रफ्तार होने और कार्य पूर्णता की निर्धारित तिथि से 3 वर्ष बाद भी निर्माण कार्य पूर्ण न कराए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और ठेकेदार मेसर्स मुंगेर कंस्ट्रक्शन कंपनी छिंदवाड़ा को ब्लैक लिस्ट करने और रिस्क एंड कॉस्ट पर पुनः निविदा करने के निर्देश कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग को दिए। उन्होंने इसी तरह की कार्यवाही सभी लापरवाह ठेकेदारों पर करने के निर्देश सभी संबंधित निर्माण एजेंसी/विभागों को दिए हैं।

हल्की बारिश होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (22 मई ङ्क 26 मई 2024) घने से मध्यम बादल रहने दिनांक 22.05.2024 से 23.05.2024 को बिजली गिरने, तेज़ हवा और आंधी के साथ बहुत हल्की बारिस होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 40-42 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 22-24 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है। अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 48-55 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 20-25 प्रतिशत रहने की संभावना है। आने वाले दिनों में हवा दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण एवं पूर्व दिशाओं में बहने एवं 10-48 कि. मी. प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है।

विद्यार्थी उज्जवल भविष्य निर्माण शिविर 23 मई से

छिंदवाड़ा। परम् पूज्य संत आशारामजी बापू की पावन प्रेरणा से ग्रीष्म ऋतु में प्रतिवर्ष विद्यार्थी उज्जवल भविष्य निर्माण शिविर का आयोजन देशभर के 550 आश्रमों में किया जाता है। इसी कड़ी में श्री योग वेदांत सेवा समिति के तत्वावधान में 23 मई से 26 मई को शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई ने बताया कि आध्यात्मिक शिक्षा और आधुनिक शिक्षा के समन्वय के कारण विद्यार्थियों का चहुँमुखी विकास होता हैं। शिविर में विद्यार्थियों को योग, ध्यान, प्रणायाम के अलावा देशभक्ति और मातृ भूमि के प्रति समर्पित दैवीय गुणों से भी अवगत कराया जाएगा। इस शिविर में बालकों के रुकने की व्यवस्था गुरुकुल में तथा बालिकाओं की व्यवस्था महिला उत्थान आश्रम शक्ति हाउस में की गई है। शिविर हेतु उच्च स्तरीय आचार्यों की व्यवस्था के साथ सभी विद्यार्थियों के उचित रहन - सहन और भोजन प्रसाद की भी व्यवस्था की गई है। इस शिविर में जिले के अलावा बैतुल, सिवनी, बालाघाट के हजारों विद्यार्थी उपस्थित होने वाले हैं। गुरुकुल के सफलतम विद्यार्थियों का मुख्य आधार आध्यात्मिक शिक्षा ही है। सन 1811 में इंग्लैंड में पहला स्कूल प्रारंभ हुआ था, उस समय भारत में 7 लाख 32000 गुरुकुल संचालित थे। पहले के काल में गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के कारण ही हमारा देश सर्व शक्ति सम्पन्न देश था। इसे सोने की चिड़िया भी कहा जाता था। सभी विद्यार्थी गुरुकुल में प्रवेश नहीं ले पाते इसी वजह से प्रतिवर्ष ऐसे शिविरों का आयोजन किया जाता हैं जिससे समस्त विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो और वह हर क्षेत्र में सफलता अर्जित करें। सभी साधकों और जिलेवासियों से प्रार्थना है कि अपने-अपने बच्चों को शिविर का लाभ अवश्य दिलायें।

सदाचार व्यक्ति को हर क्षेत्र में सम्मानजनक स्थान दिलाता है: बसंत महाराज

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा में आयोजित तत्वज्ञान संस्कार शिक्षण शिविर के चतुर्थ दिन अध्यात्म् रत्न बाल ब्रह्मचारी बसंत जी महाराज ने सदाचार संस्कार और शिष्टाचार विषय पर तद्यरण तरण दिगंबर जैन मंदिर में तत्व चर्चा के दौरान बताया कि ,स्वाभाविक और सहज आदतें यह कहलाती हैं संस्कार,मर्यादित आचरण यही है -सदाचारी जीवनआधार। तोरतरी के विनयपूर्ण., व्यवहार कहलाता. शिष्टाचार, ब्रह्मानंद त्रिक पालन से बनता सदा सुखद संसार, उन्होंने समस्त शिविर में भाग ले रहे एवं श्रावकों को संबोधित करते हुए बताया कि संस्कारों का जीवन में सर्वाधिक महत्व है। कु-संस्कार दुखदाई होते हैं, और सु-संस्कार सुखद होते हैंद्य जीवन को सुख- मय बनाने के लिए ज्ञान और धर्म के संस्कार अनिवार्य हैं, बाल पीढ़ी हो या युवा पीढ़ी सभी को सुस्कृत करना आज के युगकी माहती आवश्यता हो गई है क्योंकि आज के बालक और नवयुवक ही भविष्य के निर्माता हैं हम देख रहे हैं वर्तमान युग में टीवी या मोबाइल आदि विभिन्न साधनों के द्वारा मानव समाज में मानसिक विकृति का ऐसा घुन लगा है जिससे नैतिक और धार्मिक पतन हो रहा है। सज्जन पुरुषों के द्वारा किए जाने वाले आचरण को सदाचार कहते हैं ,धर्म समाज और नीति के अनुरूप की जाने वाले अच्छे आचरण को सदाचार की श्रेणी में माना जाता है ,सदाचार सफलता की कुंजी है है सदाचार, व्यक्ति को हर क्षेत्र में सम्मानजनक स्थान दिलाता है शिक्षा और सत्संगति से व्यक्ति सदाचारी बनता है और सदाचारी तभी बनेगा जब वह सत्पुरुषों के आचरण का अनुसरण करेगा, सदाचारी व्यक्ति अच्छे आचरण का प्रत्यक्ष उदाहरण हे।

प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन आज

छिन्दवाड़ा। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था छिन्दवाड़ा में 22 मई 2024 को महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड इगतपुरी (महाराष्ट्र) द्वारा अप्रैंटिस के लिये उत्तीर्ण एवं अंतिम वर्ष में अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों के लिये प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया है। जिले के पुरुष/महिला प्रशिक्षणार्थी इस प्लेसमेंट ड्राइव में भाग ले सकते हैं। संस्था के प्लेसमेंट अधिकारी श्री शिवकुमार सनोडिया ने बताया कि प्राचार्य के मार्गदर्शन में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में आई.टी.आई.उत्तीर्ण फिटर टर्नर, ट्रैक्टर मैकेनिक, एम.एम.व्ही., डीजल मेकैनिक, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, मशीनिष्ट, ग्राइंडर और इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक ट्रेड के 18 से 25 वर्ष आयु के पुरुष/महिला प्रशिक्षणार्थी भाग ले सकते हैं। चयनित प्रशिक्षाणार्थियों को 13393 रूपये स्टाइपेंड व जॉब लोकेशन इगतपुरी (महाराष्ट्र) रहेगा। इछुक अभ्यर्थी प्रातः10 बजे तक अपने सभी दस्तावेजों की फोटोकॉपी के साथ उपस्थित हो सकते हैं।

अमरवाड़ा से इंदौर के लिए बस हुई प्रारंभ

अमरवाड़ा। भोपाल इंदौर के लिए बस शुरू हो गई है जो प्रतिदिन रात्रि 8.45 पर इंदौर के लिए होगी रवाना* रात्रि लगभग 3.30 बजे भोपाल और सुबह 7 बजे इंदौर पहुंचेगी वहीं दूसरी बस इंदौर से छिंदवाड़ा होते हुए अमरवाड़ा आने के लिए प्रतिदिन रात्रि 8 बजे होगी रवाना 1 बजे भोपाल और सुबह 7 बजे छिंदवाड़ा वापस आएगी।

कलेक्टर ने माइक्रो सिंचाई काम्पलेक्स के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

छिन्दवाड़ा। पेंच व्यपवर्तन परियोजना अंतर्गत चल रही पेंच माईक्रो काम्पलेक्स-02 जिसमें 19600 हेक्टेयर सिंचाई सुविधा छिंदवाडा जिले के लिये निर्माणाधीन है। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा आज पेंच माईक्रो काम्पलेक्स 02 के चल रहे पम्प हाउस (ग्राम देवर्धा) स्थल का निरीक्षण किया गया। उन्होंने परियोजना को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये। साथ ही कार्ययोजना बनाकर कमांड क्षेत्र की पाईप लाईन एवं पम्प हाउस के कार्य पूर्ण करने के लिये आवश्यक मशीनरी, मेन पावर बढ़ाने के निर्देश दिये। वन भूमि का निराकरण संबंधित विभाग से कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने सिहोरा से माचागोरा सड़क निर्माण कार्य लंबाई 8 किलोमीटर में निर्माणाधीन कार्यों जैसे पुलिया एवं सड़क का डामरीकरण 1400 मीटर का निरीक्षण किया। उन्होंने संबधित जल संसाधान विभाग के कार्यपालन यंत्री एवं निर्माण एजेन्सी के ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने एवं आवश्यक निर्माण सामग्री, मशीनरी, मेन पावर बढाने एवं कार्ययोजना के साथ समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के भी निर्देश दिये। पेंच माईक्रो-1 परियोजना के अंतर्गत ग्राम मोआर (बाम्हनवाडा) के समीप निर्माणाधीन पम्प हाउस-3 का निर्माण एजेन्सी के प्रतिनिधि एवं संबधित विभाग को मशीनरी एवं मेन पावर को बढ़ाकर कार्य योजना के साथ कार्य करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। भू-अर्जन में संबधित कृषकों को मुआवजा का भुगतान 03 दिवस में कराया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा पेंच व्यपवर्तन परियोजना के अंतर्गत बांध का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सी.ई.ओ. जिला पंचायत छिंदवाडा पार्थ जैसवाल, एस.डी.एम. चौरई प्रभात मिश्रा, चौरई के रमेश सिंह तेकाम, जल संसाधन विभाग पेंच परियोजना कार्यपालन यंत्री संत कुमार सिरसाम, एस.डी.ओ. विश्व प्रकाश चौधरी एवं सभी मैदानी अधिकारी मौजूद थे।

उमरानाला के विभिन्न क्षेत्रों में आज विद्युत सप्लाई रहेगी बाधित

छिन्दवाड़ा। म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि पूर्व संभाग छिंदवाड़ा के अंतर्गत प्री-मानसून मेन्टेनेन्स कार्य के कारण उपसंभाग/वितरण केन्द्र के 33/11 के.व्ही. फीडरों से 16 से 22 मई 2024 को प्रातः 07 से दोपहर 12 बजे तक विद्युत प्रदाय बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि उमरानाला उपसंभाग के अंतर्गत आज 22 मई 2024 को मोहखेड़ वितरण केन्द्र के 11 के.व्ही. मोहखेड ग्रामीण डी.एल.मउ उपकेन्द्र के सभी क्षेत्रों में मेंटेनेंस कार्य के कारण विद्युत प्रदाय बाधित रहेगी। इस प्री-मेन्टेनेंस कार्य के दृष्टिगत आवश्यकतानुसार यह समयावधि बढ़ाई या घटाई जा सकती है। बिजली संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिये 1912 टोल फ्री नंबर डायल कर सकते हैं।

राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

छिन्दवाड़ा। दूरसंचार क्रांति के जनक पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई। स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन में शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री के कृतित्व व व्यक्तित्व को याद किया। श्री राजीव गांधी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित व माल्यार्पण कर उन्हें अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद तिवारी ने आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी की हत्या के बाद सन् 1984 से 1991 के बीच राजीव गांधी जी देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री रहे। उन्होंने अपने कार्यो से देश की जनता के दिलोदिमाग में अमिट छाप छोड़ी। प्रथम कार्यकाल में ही उनके द्वारा देशहित व संचार के क्षेत्र में ऐसे विभिन्न कार्य किये गये जिसके लिये उन्हें अनंत काल तक याद किया जायेगा। उन्हें 21 वीं सदी के भारत का निर्माता भी कहा जाता है। 40 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बनने वाले श्री राजीव जी ने आधुनिक भारत की नींव रखी जिसके सहारे आज हमारा देश सूचना व क्रांति के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भारत में दूरसंचार क्रांति लाई यही नहीं आज जिस डिजिटल इंडिया की चर्चा हो रही है उसकी संकल्पना भी उन्होंने अपने ही जमाने में कर ली थी इसीलिये उन्हें डिजिटल इंडिया का ऑर्किटेक्ट, सूचना तकनीक एवं दूर संचार क्रांति का जनक भी कहा जाता है। स्थानीय निकाय चुनावों में महिलाओं का 33 प्रतिशत आरक्षण तय किया साथ ही पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा दिया था। श्री तिवारी ने राजीव गांधी जी के प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व छिन्दवाड़ा से जुड़े संस्मरणों पर प्रकाश डाला।महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती किरण चौधरी ने कहा कि शहर से लेकर गांव-गांव तक दूरसंचार का जाल बिछाने के लिये उन्होंने सेन्टर पार डिवेलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स की स्थापना की, जिसकी बदौलत गांव में पीसीओ खुलने प्रारंभ हुये और इसी के साथ गांव के लोग भी देश व दुनिया से जुड़ सकें। गांव और देश की सरकार चुनने के लिये 21 वर्ष की आयु निर्धारित थी अर्थात वोट देने का अधिकार केवल इसी उम्र वर्ग के लोगों को था, किन्तु राजीव जी ने अपने युवा सोच को दृष्टिगत रखते हुये मतदाताओं की न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष निर्धारित की तब से 18 वर्ष की आयु वाले करोड़ों युवा देश के लिये सांसद, विधायक सहित अन्य निकायों के जनप्रतिनिधि चुन सकते हैं।

देश में लाई कम्प्यूटर क्रांति युवक कांग्रेस अध्यक्ष एकलव्य यहाके ने सम्बोधित करते हुये कहा भारतवर्ष के शहर, गांव व कस्बों के प्रत्येक नागरिक के हाथों में आज मोबाइल है, प्रत्येक घरों में टीवी व कम्प्यूटर एवं लैपटॉप है तो इसका श्रेय भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को जाता है।

4 वाहनों से लिया गया 3000 रूपये का जुर्माना व 3 वाहन जप्त

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में परिवहन विभाग के जांच दल द्वारा आज छिंदवाड़ा-नागपुर मार्ग में सभी वाहनों की बारीकी से जांच की गई। जिसमें सवारी बसों, ऑटो रिक्शा व सभी प्रकार के यात्री वाहनों सहित अन्य सभी छोटे-बड़े वाहनों के सभी दस्तावेजों जैसे वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र, वैध लाइसेंस आदि की जाँच की गई। साथ ही जाँच के दौरान वाहनों में सुरक्षा संबंधी उपकरण जैसे अग्नि शमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, आपातकालीन द्वार आदि की जांच भी की गई। जिन वाहनों में कमियां पाई गई ऐसे वाहनों पर चालानी कार्यवाही की गई। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मनोज तेहनगुरिया ने बताया कि छिंदवाड़ा-नागपुर मार्ग में वाहनों की चैकिंग की जानकारी मिलने पर वाहन चालकों में हड़कंप मच गया और उन्होंने अपने रास्ते को बदल लिया। मोटरयान अधिनियम का उल्लंघन करने पर 04 वाहनों से 3000 रूपये का जुर्माना लिया गया। वाहन चैकिंग के दौरान दस्तावेज वैध न होने पर आज 03 वाहनों को जप्त किया गया, जिसमें से एक मैजिक वाहन क्रमांक एमपी 28 टीए 0306 का म.प्र.मोटरयान कर 315000 रूपये लगभग बकाया होने पर वाहन को जप्त कर परिवहन कार्यालय छिंदवाड़ा में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया। उन्होंने बताया कि वाहन संचालकों को समय-समय पर मीटिंग लेकर समझाईश दी जा रही है कि मोटरयान अधिनियम 1988 के प्रावधानों का उल्लंघन पाये जाने पर विधि अनुसार कठोर कार्यवाही की जायेगी तथा यात्री बसों के संबंध में उन पर आच्छादित अनुज्ञा पत्र को निरस्त करने की कार्यवाही की जायेगी। सभी

किसानों को नहीं मिली फसल बीमा की राशी

कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

छिंदवाड़ा। चौरई विकासखण्ड की ग्राम पंचायत आमाबोह के किसानों को फसल बीमा की राशी नहीं मिलने पर उन्होने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर बीमा की राशी प्रदान किए जाने की मांग की है। ग्राम पंचायत के किसान सूर्यभानसा, संजय बट्टी, मनीराम उईके, सेवकराम, सम्पत परते और अन्य किसानों ने बताया कि जिले के सभी किसानों को शासन द्वारा फसल बीमा की राशी सभी किसानों को उपलब्ध कराई गई है। लेकिन ग्राम पंचायत आमाबोह के किसानों को वर्ष 2019-20 और 2022-23 की बीमा की राशी का भुगतान नही हुआ। किसानों का कहना है कि उन्होने पूर्व में भी फसल बीमा की पंजीयन की क्षतिपूर्ति राशी प्रदान करने पूर्व में भी आवेदन दिया था किन्तु अभी तक उन्हें प्राप्त नहीं हुई। किसानो ने कलेक्टर से शीघ्र ही बीमा राशी प्रदान करने की मांग की है।

ईव्हीएम-व्हीव्हीपीएटी मशीनों को निकालते समय राजनैतिक दलों या उनके प्रतिनिधियों से उपस्थिति का अनुरोध

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शीलेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत आगामी 4 जून को मतगणना का कार्य किया जायेगा। इस मतगणना कार्य के लिये गणना सुपरवाईजर, गणना सहायक, निर्वाचन अभिकर्ता, गणना अभिकर्ता एवं अन्य मतगणना कार्य के लिये नियुक्त अधिकारी/कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी के.सी.बोपचे ने बताया कि इस मतगणना कार्य के लिये प्रशिक्षण एवं जागरूकता के लिये ईव्हीएम-व्हीव्हीपीएटी मशीनों को निकालने के लिये 22 मई को दोपहर 12 बजे जिला ईव्हीएम वेयरहाउस नागपुर रोड ईएलसी चौक छिन्दवाड़ा में स्थित वेयरहाउस को खोला जायेगा एवं ईव्हीएम-व्हीव्हीपीएटी मशीनों को निकालने के तत्काल बाद बंद किया जायेगा। उन्होंने इस प्रशिक्षण एवं जागरूकता के लिये ईव्हीएम-व्हीव्हीपीएटी मशीनों को निकालते समय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों या उनके प्रतिनिधियों से उपस्थिति का अनुरोध किया है।

मोबाइल दुकान में हुई चोरी

अमरवाड़ा। चौरई रोड स्थित आनंद मोबाइल शॉप मेंसोमवार मंगलवार की दरमियानी रात्रि में अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर ली गई दुकान के संचालक आनंद ने बताया कि शटर और सीसीटीवी कैमरा तोड़कर लगभग सत्तावन मोबाइल चोरी करके ले गए और अन्य सामग्री भी ले गए जिससे 8 लाख की नुकसानी हुई है और पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने जांच प्रारंभ की।

नेमा क्षारसूत्र संस्थान द्वारा वार्षिक वर्ल्ड मेडिटेशन डे पर बच्चों को करवाया योग

छिंदवाड़ा। वर्ल्ड मेडिटेशन डे पर बच्चों को स्ट्रेस को दूर करे मेडिटेशन का डोज र एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें सिखाया गया कि 20 मिनट का ध्यान करके परेशानियों को दूर केसे रखे मेडिटेशन बहुत सारे तनाव, चिंता और अवसाद को दूर भगाने में आपकी मदद कर सकती है। आजकल की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में एंग्जाइटी, डिप्रेशन, थकान और घबराहट जैसी अन्य समस्याएं हमारे लिए आम होती जा रही हैं। ये सभी समस्याएं न केवल मानसिक रूप से बल्कि शारीरिक रूप से भी बुरी तरह प्रभावित कर सकती है। वार्किंग वीमेन हो या हाउसवाइफ ज्यादातर महिलाएं तनाव की शिकार हैं। ध्यान या मेडिटेशन आपको इस समस्या से उबरने में मदद कर सकता है। मानसिक रूप से स्वस्थ व संतुलित रहने के लिए अनावश्यक दवाइयों की जगह मेडिटेशन आपके लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद रहेगा। दिन के केवल 15 से 30 मिनट ध्यान को देने से आप अपने दिमाग को शांत और परेशानियों से दूर रह सकते हैं। योग टीचर्स का कहना है कि बिजी लाइफ शेड्यूल के चलते लोग खुद की मेंटल हेल्थ का बिलकुल भी ख्याल नहीं रख पाते हैं। इस वजह से मानसिक रूप से काफी थका हुआ महसूस करते हैं और तनाव में रहते हैं, ये चीज डेली लाइफ के काम पर भी बुरा प्रभाव डालती हैं ऐसे में अगर आप रोजाना कुछ देर ध्यान करेंगे तो ये मेंटल हेल्थ के लिए बहुत ही फायदेमंद साबित होगा। आज वर्ल्ड मेडिटेशन दिवस पर ऐसी ही ध्यान से जुड़ी बातें योग गुरू डॉ पवन नेमा के द्वारा मिली जिसको करके हम सेहत की बेहतर रख सकते हैं। मेडिटेशन और प्राणायाम के साथ आध्यात्मिक मेडिटेशन, कुंडलिनी योगा, माइंडफुलनेस मेडिटेशन बहुत कारगर सिद्ध है।

मन और दिमाग के लिए संजीवनी

योग से जुड़े हुए योगाचार्य डॉ पवन नेमा का कहना है कि मेडिटेशन हमारे लिए बहुत ही जरूरी है। क्योंकि आजकल जिस तरह के लाइफ स्टाइल को हम जी रहे है, हमें खुद के लिए समय निकलना जरूरी हो चुका है। ध्यान एक ऐसी क्रिया जिससे न केवल हमारा शरीर बल्कि मन और दिमाग भी शांत हो जाता है। हर तरह के स्ट्रेस को दूर कर यह हमें शांति की ओर ले जाता है।

ऐसे लगाएं ध्यान जिससे होंगे लाभ

डॉ रश्मि नेमा ने बताया कि ध्यान एक दिन की प्रक्रिया नहीं है। हमें हर रोज अभ्यास करने की आवश्यकता होती हैं। सुबह या शाम किसी भी समय किया जा सकता है। ध्यान के लिए हर दिन 20 मिनट काफी होते हैं चाहे तो इसकी अवधि बढ़ाई भी जा सकती है। इससे सारा दिन अपने काम में ध्यान लगाने में मदद मिलती है। इसी प्रकार उच्च रक्तचाप, डायबिटीज को कम करने के साथ-साथ सिरदर्द, नींद न आने और मांसपेशियों के दर्द को दूर करने में एक दवा का काम भी करती है।

रेत का अवैध परिवहन एवं उल्लंघन प्रमाणित होने पर पर 72500 रूपये की शास्ति अधिरोपित

अवैध परिवहन में संलिप्त वाहन भी खनिज सहित राजसात

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत एक प्रकरण में अनावेदक वाहन चालक/उल्लंघनकर्ता हरिनारायण पिता श्री महेश उईके निवासी बीसापुरखुर्द तहसील मोहखेड़ जिला छिंदवाड़ा के द्वारा म.प्र.खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अनुसार रेत का अवैध परिवहन करने और अवैध परिवहन का उल्लंघन प्रमाणित होने पर प्रावधान अनुसार अर्थशास्ति और पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति की कुल शास्ति राशि की दुगुना राशि 72,500 रुपए अधिरोपित की गई है। साथ ही अवैध परिवहन में संलिप्त वाहन को खनिज सहित राजसात किया गया है। कलेक्टर ने बताया कि खनिज अधिकारी छिंदवाड़ा के माध्यम से प्रस्तुत प्रकरण में पुलिस अधीक्षक छिंदवाड़ा के प्रतिवेदन 20 मई 2022 के अनुसार 13 मई 2022 को ट्रेक्टर वाहन क्रमांक सीजी 04 डीए- 6287 मय ट्रॉली अनावेदक वाहन चालक/उल्लंघनकर्ता हरिनारायण के द्वारा 3 घनमीटर खनि रेत का अवैध परिवहन किया जाना पाये जाने के फलस्वरूप इस वाहन को जप्त करते हुये सुरक्षार्थ थाना बिछुआ में पुलिस अभिरक्षा में रखा गया। रेत परिवहन के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर वाहन जप्त कर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन प्रेषित किया गया। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक, खनिज अधिकारी और खनि निरीक्षक छिंदवाड़ा द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन एवं अनावेदक द्वारा प्रस्तुत जवाब एवं संलग्न दस्तावेजों का सूक्ष्मता से परिशीलन एवं अवलोकन करने के उपरांत म.प्र.खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अध्याय 5 नियम 19 के अनुसार अनावेदक हरिनारायण द्वारा रेत खनिज का अवैध परिवहन करते पाये जाने पर नियमानुसार 11250 रुपए की अर्थशास्ति, 25000 रुपए की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति, 1000 रुपए की प्रशमन राशि को मिलाकर कुल शास्ति मय प्रशमन शुल्क 37250 रूपये अधिरोपित करने हेतु प्रस्तावित किया गया। लेकिन अनावेदक द्वारा प्रशमन स्वीकार नहीं किए जाने के कारण नियम के प्रावधान अनुसार अर्थशास्ति एवं पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति के कुल योग 36250 रुपए की दुगुना राशि 72500 रूपए की शास्ति अधिरोपित की गई है। साथ ही नियम के अध्याय 5 नियम 19 (5) के प्रावधानों के अनुसार वाहन क्रमांक सीजी 04 डीए-6287 को शासन के हित में खनिज सहित राजसात करने के आदेश भी पारित किये गये हैं। उन्होंने खनि अधिकारी को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार वाहन का पंजीयन निरस्त करने, शास्ति की राशि निर्धारित मद में शासन के पक्ष में जमा कराई जाने की अग्रिम कार्यवाही करने और आरोपित शास्ति की राशि की प्रविष्टि अर्थदण्ड पंजी में कराये जाने के निर्देश दिये हैं। साथ ही निर्धारित प्रावधानों के अनुसार राजसात वाहन और जप्तशुदा खनिज को पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया के अंतर्गत नीलाम करने और अपील अवधि के बाद नियमानुसार नीलामी की जाकर नीलामी से प्राप्त राशि शासन के निर्धारित मद में चालान द्वारा जमा किये जाने के आदेश भी पारित किये गये हैं।

जैनत्व संस्कार शिक्षण शिविर 27 मई से 2 जून तक

वीतराग भवन में विशेष समारोह में हुआ आमंत्रण पत्रिका का विमोचन

छिंदवाड़ा - सकल जैन समाज के आबाल गोपाल सहित युवाओं में संस्कारों के साथ जैनदर्शन के मुख्य सिद्धांतों का बीजारोपण करने के मुख्य उद्देश्य से श्री दिगंबर जैन मुमुक्षु मंडल, अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन एवं वीतराग विज्ञान पाठशाला के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिवर्ष ग्रीष्मकालीन जैनत्व संस्कार शिक्षण का आयोजन किया जाता हैं।इस वर्ष यह शिविर 27 मई से 2 जून तक अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित वीतराग भवन में आयोजित किया गया हैं, जिसकी आमंत्रण पत्रिका का विमोचन विशेष समारोह में बाल ब्रह्मचारी सुमतप्रकाशजी जैन, पंडित जतीशचंद्र शास्त्री सनावत, अशोक लुहाड़िया अलीगढ़, रमेशचंद्र सिंघई, सुरेंद्र पंकज, शिखरचंद जैन के हस्ते किया गया। सभा का संचालन मंडल के मंत्री अशोक वैभव एवं फेडरेशन सचिव दीपक राज जैन ने तथा मंगलाचरण ब्रह्मचारी महेंद्र जैन एवं सचिन जैन द्वारा किया गया। शिविर का कुशल निर्देशन पंडित संजय सिद्धार्थी इंदौर द्वारा किया जावेगा।

लगेगी विविध कक्षाएं

पाठशाला संचालिका वर्षा पाटनी एवं आर्या जैन ने बताया की शिविर को सात वर्ग में विभाजित किया गया जिसमे 2.5 वर्ष से 5 वर्ष तक मम्मी की पाठशाला, 6 से 8 वर्ष तक ध्रुवम कक्षा, 9 से 11 वर्ष तक सिद्धम कक्षा, 12 से 14 वर्ष तक अर्हम कक्षा, 15 से 17 वर्ष तक जिनम कक्षा, 18 से 20 वर्ष तक मोक्षम कक्षा एवं 21 वर्ष से ऊपर एवं विवाहित पुरुष - महिलाओं के लिए तत्त्वम कक्षा लगाई जावेगी, वहीं सभी श्रावक - श्राविकाओं को स्वाध्याय भवन गोल गंज में पंडित अमन शास्त्री आरोन द्वारा प्रतिदिन प्रातः एवं रात्रि 8.30 बजे से शास्त्र स्वाध्याय किया जावेगा।

इन विद्वानों का मिलेगा समागम

फेडरेशन सचिव दीपक राज जैन ने बताया की सात दिवसीय शिक्षण शिविर में विद्यार्थियों की कक्षा लेने पूरे देश से शास्त्री विद्वान छिंदवाड़ा पधार रहे हैं जिनमे सर्वश्री पंडित अंकुर शास्त्री खड़ैरी, मयंक शास्त्री बंडा, रत्नेश शास्त्री भगवा, सतीश शास्त्री इंदौर, आकाश शास्त्री खनियाधाना, विदुषी पिंकल शाह अहमदाबाद, विदुषी प्रिया सिद्धार्थी इंदौर का आगमन हो रहा हैं।

दैनिक कार्यक्रम

शिविर का शुभारंभ प्रतिदिन प्रातः 7 बजे श्री आदिनाथ जिनालय गोल गंज में श्री जिनबिंब प्रक्षालन एवं श्री जिनेन्द्र पूजन से होगा, 08.30 से शिविर स्थल वीतराग भवन में स्वल्पाहार, 09.05 से वर्गवार कक्षा एवं 10.05 से सामूहिक कक्षा लगेगी। दोपहर में 3 बजे से विविध आकर्षक गतिविधियां होगी, रात्रि 7 बजे से श्री जिनेन्द्र भक्ति, 7.45 से वर्गवार कक्षा, 8.15 से सामूहिक कक्षा एवं 9 बजे से विविध सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रमों का संचालन होगा।

त्वरित टिपण्णी
जी. के. छिब्बर

क्या है किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015

पुणे नाबालिक कर दुर्घटना में आरोपी को शीघ्र जमानत क्यों।

पुणे में एक बिल्डर के नाबालिक पुत्र ने नशे में हाईस्पीड कार चलाकर 18 मई की रात सवा दो बजे मध्यप्रदेश के दो युवा इंजीनियर को जो मोटर साइकिल पर जा रहे थे रौंद डाला घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई।

आरोपी पकड़ा गया लेकिन नाबालिक होने के कारण किशोर न्याय बोर्ड के न्यायाधीश ने किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और सरक्षण) अधिनियम 2015 के अनुसार जमानत दे दी तथा 300 पृष्ठका दुर्घटना पर निबंध लिखने एवम 15 दिन तक यातायात पुलिस के साथ ट्रैफिक नियंत्रण करने का निर्देश दिया जो की चर्चा का विषय बन गया है और सवाल उठ रहे हैं।

हालांकि पुलिस ने भारतीय दण्ड विधान 1860 के प्रावधान 304 ढ्ढए के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया था और आरोपी के बालिक के आधार पर मुकदमा दर्ज करती परंतु आरोपी 17 वर्ष का नाबालिक है इसलिए किशोर न्याय न्यायालय में जमानत का आवेदन प्रस्तुत किया जो स्वीकार कर लिया गया।

वास्तविकता यह है कि किशोर न्याय (देखभाल और सरंक्षण)अधिनियम सुधारात्मक सिद्धांत पर आधारित है, जिसने अपराध साबित होने पर भी अधिकतम सजा तीन वर्ष है जो किशोर सुधारगृह में भुगतनी होती है इसलिए बच्चे के मानसिक स्तर पर विपरीत प्रभाव ना पड़े अपराध साबित होने के पहले जमानत शर्तो के अनुसार दी जाती है इसमें यह भी देखा जाता है की नाबालिक की दुर्घटना के पूर्व क्या स्थिति थी नाबलिक का शराब का सेवन किसने कराया ओर उसके अभिभावक ने कार चलाने की अनुमति क्यों दी।

यह भी उल्लेखनीय है कि इस दुर्घटना में रेस्टोरेंट के मैनेजर और मालिक को भी गिरफ्तार किया गया है क्योंकि नाबालिक को शराब परोसना दंडनीय अपराध हैं इतना ही नहीं नाबालिक को कार चलाने की अनुमति देने और चाबी देने के लिए माता पिता अथवा अभिभावक भी अपराधी है इन पर भी मुकदमा चलेगा यदि यह साबित होता है की रेस्टोरेंट के मैनेजर और मालिक ने यह जानते हुवे की आरोपी नाबालिक है ओर वाहन लेकर आया है शराब का सेवन कराया तो उन्हे सात वर्ष की सका हो सकती है इसी तरह माता पिता को भी सात वर्ष तक सजा हो सकती है की उसके पुत्र के पास लाइसेंस नहीं है और वाहन चलाने की अनुमति दी।

किशोर न्याय अधिनियम में कानून की परिभाषा में वाहन दुर्घटना से मृत्यु को हत्या नही माना जा सकता। भारतीय दण्ड विधान में भी दुर्घटना से हुई मृत्यु को नहीं माना है जब तक की जानबूझकर हत्या के उद्देश्य से दुर्घटना घटित न की हो लापरवाही से अंधाधुन वाहन चलाने पर भी मृत्युदंड अथवा लंबे कारावास के दंड का प्रावधान नहीं हैं इसलिए किशोर न्याय अधिनियम 2015 में न्याय बोर्ड के न्यायाधीश द्वारा शीघ्र जमानत देना चर्चा का विषय तो है, परंतु इस पर सवाल उठाना भावनात्मक रूप से तो सही लगता है परंतु कानूनी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

इस घटना में वास्तविकता में आरोपी के बिल्डर पिता दोषी है, रेस्टोरेंट का मैनेजर दोषी है, जिन्होंने नाबालिक को कर चलाने दी और रेस्टोरेंट में शराब का सेवन कराया। यह समस्या सामाजिक है जागरूकता की सामूहिक जिम्मेदारी है कि बच्चों पर निगरानी रखे अच्छे संसार दे युवा पीढ़ी नियम कानूनों का पालन करे हर समस्या का समाधान सरकार और कानून नही है। पुलिस को भी अब सख्ती से रात्रि यातायात पर नियंत्रण करना चाहिए जबकि युवा वर्ग शराब पीकर वाहन चलाते हैं बार और पब पर सख्ती हो वर्ना ऐसी दुर्घटनाएं दिन प्रतिदिन होती रहेंगी।

बढ़ सकती है पीएम किसान सम्मान निधि की किस्त,सरकार बना रही प्लान

भोपाल। केंद्र सरकार की तरफ से किसानों को हर चार महीने पर मिलने वाली 2,000 रुपए की किस्त में इजाफा हो सकता है। इस स्कीम के पांच साल पूरा होने के बाद सरकार बड़ा फैसला ले सकती है। बताया जा रहा है कि सरकार ने कृषि और किसान कल्याण विभाग के तहत पीएम किसान सम्मान निधि योजना के मूल्यांकन की योजना बनाई है। योजना का मकसद यह जानना है कि इस स्कीम से किसानों की वित्तीय जरूरतें किस हद तक पूरी हो सकीं और किसानों की इनकम पर इसका कितना असर देखने को मिला।

क्या है सरकार की योजना ?- सरकार की मंशा इस बात को जानने की भी है कि पीएम किसान योजना को विभिन्न राज्यों में कैसे लागू किया गया और क्या अभी इनमें किसी बदलाव की जरूरत है। साथ ही किसान सम्मान निधि योजना के मूल्यांकन उद्देश्य यह भी समझना है कि पीएम किसान के तहत किस्तों का सीधे बैंक अकाउंट में ट्रांसफर यानी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर किसानों की आय बढ़ाने का बेहतर तरीका है या नहीं। अधिकारी ने कहा कि योजना के मूल्यांकन की अवधि 6 महीने की होगी। बता दें कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि दुनिया की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजनाओं में से है।

मप्र में पढ़ाए जाएंगे वीर सावरकर: परमार

भोपाल। प्रदेश के उच्च शिक्षा के सिलेबस में विनायक दामोदर सावरकर के बारे में पढ़ाया जाएगा। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि विदेशी आक्रांता अकबर को महान बताया गया, लेकिन महाराणा प्रताप को नहीं। आजादी में एक ही परिवार का गुणगान हुआ है। वीर सावरकर जैसे निडर का जिक्र तक नहीं हुआ, जिन्हें दो बार आजीवन सजा मिली। इतिहास के पन्नों में ऐसे लुटेरों और आक्रमणकारियों को जगह दे दी गई, जिन्होंने देश के लिये कुछ नहीं किया। उनका गुणगान हुआ। परमार ने आगे कहा, गुरु गोविंद सिंह जी के दो बेटे जिनको 7 साल और 9 साल की उम्र में दीवार में चुनवा दिया गया था। उनका इतिहास के पन्नों पर किताब में पढ़ाने की कोशिश कांग्रेस ने नहीं की। वह बच्चे 7 साल और 9 साल की उम्र में देश के लिए बलिदान देते हैं। इतिहास में हमारे देश को गरीब बताया गया,जबकि हमारा देश सम्पन्न था तभी तो लुटेरे आए थे। परमार ने आगे कहा कि इतिहास के पन्नों पर महाराणा प्रताप को महान नहीं लिखा गया। अकबर को महान लिखा गया। अकबर भारत के लिए महान कैसे हो सकता है वह तो विदेशी लुटेरा था। कांग्रेस की सरकार में पूरा यही इतिहास पढ़ाया गया। उनके राज्यों का बखान किया गया। इतिहास को अंग्रेजों ने खराब किया। फिर कांग्रेस ने इसी गलत इतिहास को पढ़ाने का काम किया।

कांग्रेस ने सावरकर को उपेक्षित किया- परमार ने सावरकर के मुद्दे पर कहा, जिस सावरकर को अंग्रेजों ने एक जन्म में दो-दो जन्मों की कारावास की सजा दी। उसको क्यों नहीं पड़ना चाहिए। वीर सावरकर ने 1857 के आंदोलन को पहली बार बोला था कि यह हमारा स्वतंत्रता संग्राम है। जनता ने अपने स्वाधीनता के लिए लड़ा गया संग्राम था। वीर को आप कैसे उपेक्षित कर सकते हो लेकिन कांग्रेस ने किया। कांग्रेस में सिर्फ एक परिवार का गुणगान किया।

इंदौर नगर निगम ने 531 कॉलोनियों में संपत्ति कर बढ़ाया

इंदौर। इंदौर नगर निगम ने लोगों को जबरदस्त झटका दिया। निगम ने 531 कॉलोनियों में संपत्ति कर बढ़ा दिया। इसे लेकर विरोध भी शुरू हो गया। नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षदों ने इसका विरोध किया। उन्होंने निगम के अधिकारियों से यह फैसला वापस लेने का आग्रह किया है। अगर फैसले वापस नहीं लिए गए तो आने वाले दिनों में इसे लेकर बड़ा आंदोलन होगा। इंदौर नगर निगम के फैसले से रहवासियों पर बोझ बढ़ गया है।

एमआईसी के प्रस्ताव के आधार पर किए गए बदलावों में कॉलोनियों को उच्च दर वाले क्षेत्रों में पुनर्वर्गीकरण करना शामिल है, जिससे निवासियों को नई दरों पर संपत्ति कर का भुगतान करना होगा। आईएमसी एलओपी चिंटू चौकसे ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव समाप्त होने के एक सप्ताह के भीतर निगम ने लोगों को चौंका दिया। शहर की 531 कॉलोनियों में संपत्ति कर स्लैब को बढ़ा दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि इन कॉलोनियों में निवासियों पर 12त्न से 63त्न तक संपत्ति कर का बढ़ा हुआ बोझ पड़ेगा। नया स्लैब इसी वित्तीय वर्ष से लागू होगा, इसलिए निगम ने आधिकारिक अधिसूचना भी जारी कर दी है। उन्होंने कहा कि हमने आईएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सिद्धार्थ जैन और अभिलाष मिश्रा को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा है और उनसे बढ़ा हुआ संपत्ति कर वापस लेने का आग्रह किया है।

शहर को पांच वर्गों में बांटा गया

शहर में 2210 कॉलोनियां हैं, जिन्हें 5 दर क्षेत्रों में बांटा गया है। जोन 1 में सबसे ज्यादा दरें हैं, जबकि जोन 5 में सबसे कम दरें हैं। निगम ने 531 कॉलोनियों के दर क्षेत्रों में बदलाव किया है। कुछ कॉलोनियों को जोन 5 से जोन 2 में और कुछ को जोन 5 से जोन 4 में स्थानांतरित किया गया है। इसी तरह जोन 4 की कॉलोनियों को दर क्षेत्र 3 या 1 में रखा गया है। नतीजतन, इस बदलाव से 531 कॉलोनियों के अंतर्गत आने वाले सभी लोगों के संपत्ति कर की दरों में वृद्धि होगी।

नया टैक्स स्लैब एक साल से पारित

मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि पिछले साल एक नया टैक्स स्लैब पारित किया गया था, लेकिन इसके प्रारूप में देरी के कारण इसे लागू नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पहले ही अग्रिम कर का भुगतान कर दिया है, उनसे नए स्लैब के अनुसार अंतर राशि का भुगतान करने के लिए संपर्क किया जाएगा।

जुए में गिरफ्तार हुए आरोपी की घबराहट के बाद मौत

धार। धार जिले की सरदारपुर विधानसभा के राजगढ़ में पुलिस टीम ने जुएं को लेकर कार्यवाही की। पुलिस जुआरियों को लेकर थाने पर पहुंची। गिरफ्तार हुए लोगों में से एक व्यक्ति को अचानक घबराहट होने लगी और चक्कर आने पर वह थाने में ही गिर गया। इसके बाद

पुलिस उस व्यक्ति को लेकर अस्पताल पहुंची तो डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना के बाद बड़ी संख्या में परिजन राजगढ थाने पर एकत्रित हो गए और हंगामा शुरु कर दिया। परिजन थाने पर ही शव लेकर पहुंचे और धरने पर बैठ गए। परिजनों ने थाने पर पदस्थ एक आरक्षक सहित पुलिस अधिकारियों पर भी मारपीट का आरोप लगाया। मारपीट के कारण ही दिल के मरीज राकेश पिता बाबूलाल रायली (45 साल) को घबराहट हुई। परिजनों ने संबंधित पुलिसकर्मियों पर कार्यवाही की मांग की।

अवैध उत्खननकर्ताओं से 37 करोड़ की वसूली के लिए कार्यवाही शुरू

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर जिले में खनिज के अवैध उत्खनन के प्रकरणों में उत्खननकर्ताओं से काफी समय से लंबित अर्थदंड की वसूली के लिए प्रभावी कार्रवाई शुरू की गई। जिले में पिछले कुछ सालों के अवैध उत्खनन के अलग-अलग 12 प्रकरणों में 37 करोड़ रूपए से ज्यादा की वसूली लंबित है इसके लिए अभियान चलाकर वसूली की कार्रवाई की जा रही है।

इस कार्यवाही के क्रम में इंदौर जिले के तहसील राऊ, देपालपुर, मल्हारगंज, बिचोली हप्सी, सांवेर एवं जूनी इंदौर के सभी संबंधित अवैध उत्खननकर्ताओं के निवासों व रिकॉर्ड अनुसार उपलब्ध पते पर संबंधित तहसील कार्यालयों से टीम पहुंची। अवैध उत्खनन के लंबित अर्थदंड बकाया की वसूली के लिए जारी नोटिस की तामीली कराने की कार्यवाही की गई।

जिन स्थानों पर अवैध उत्खननकर्ताओं की प्राप्ति नहीं हुई उन स्थानों पर उनके परिवारजनों के माध्यम से एवं निवास स्थान या कार्यालय पर नोटिस चस्पा करते हुए तामिल कराने की कार्रवाई की गई। नोटिस अनुसार निर्धारित समय अवधि में अर्थदंड जमा नहीं किए जाने पर संबंधित अवैध उत्खननकर्ताओं की संपत्ति से उक्त धन राशि को भू-राजस्व के बकाया की भांति वसूल करने की कार्रवाई की जाएगी । कलेक्टर ने सभी संबंधित राजस्व अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए गए कि लंबित बकाया राशि की वसूली यथाशीघ्र की जाए। बकायेदारों द्वारा यदि राशि जमा नहीं की जाती है, तो संबंधित बकायेदारों की संपत्ति की कुर्की एवं नीलामी की कार्रवाई भी की जाए।

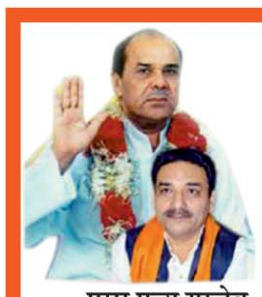

परम पूज्य गुरुदेव
श्री नंदकिशोर श्रीमाली जी

Vatsalya
Sr. Sec. School
Vidisha (M.P.)
9424426414, 9301636074

Congratulations

CBSE Result 2023-24

The Management, Principal and Staff of Vatsalya Sr. Sec. School
Congratulates all Students for their Outstanding Performance

Class- XII, District Topper in All Streams

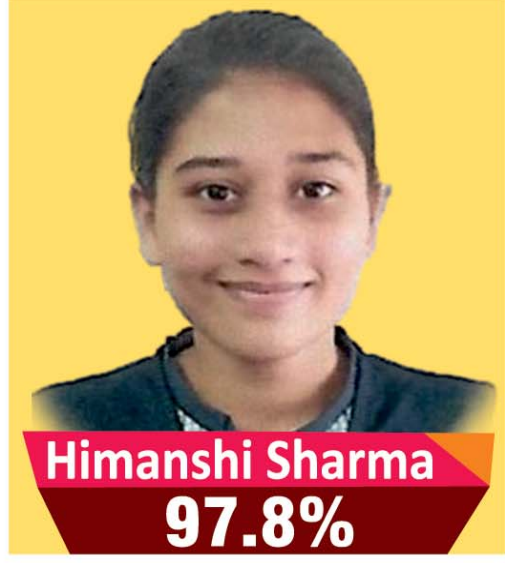

Himanshi Sharma
97.8%

ADMISSION OPEN
For CBSE XI
Science, Commerce, Humanities
Gurukripa Scholarship for Students Who Scored above 80% in Class-X

Class- XII
District II Topper

SCHOOL TOPPER
CLASS- X

Sheetal Raghuwanshi
96.8%
Humanities
Geography- 100/100

krishnika Yadav
96.8%
Humanities

Kushagra Pal
95.6%
Math- 100/100

OUR ACHIEVERS-XII STANDARD

BHAGYA SHREE SOLANKI 96.4% Humanities
REVA SAVLA 95% Humanities
HONEY CHHUGANI 94.6% Commerce
ANANT MADHORIYA 92.6% Commerce
SHUBHI SONKER 92.6% Humanities
ARUSHI SHARMA 91.8% Humanities
AKRITI SWARNKAR 91.4% Science
SIMRAN BAGHEL 90.4% Commerce
RADHIKA BAGHEL 89.6% Commerce
SAKSHI MEENA 89.4% Commerce
SRASTI JAIN 89.4% Humanities
KANAK SONI 89.2% Commerce
SHRAVAN BAGHEL 89% Commerce
PUSHPENDRA BAGHEL 88.8% Commerce
Shubh Rai 88.4% Commerce
MANDEEP KOUR 87.2% Commerce

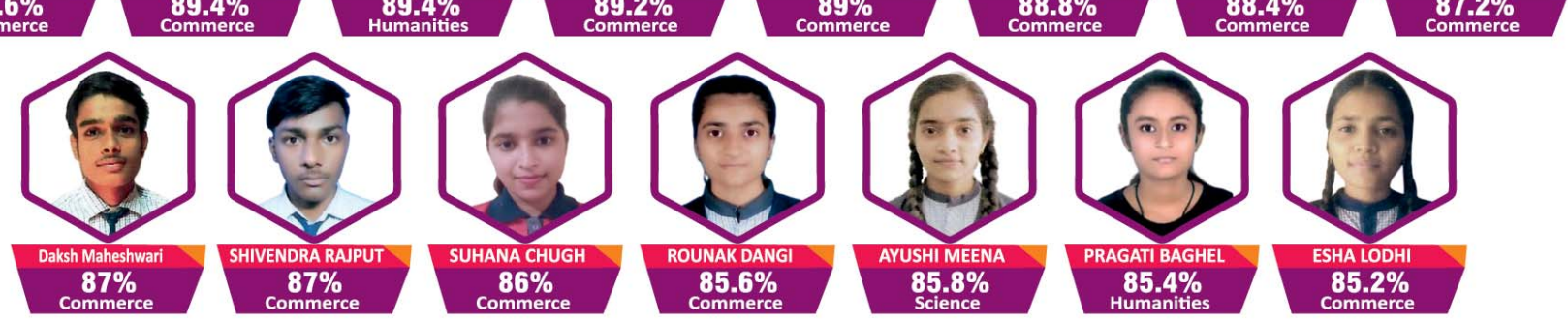

Daksh Maheshwari 87% Commerce
SHIVENDRA RAJPUT 87% Commerce
SUHANA CHUGH 86% Commerce
ROUNAK DANGI 85.6% Commerce
AYUSHI MEENA 85.8% Science
PRAGATI BAGHEL 85.4% Humanities
ESHA LODHI 85.2% Commerce

OUR ACHIEVERS-X STANDARD

Sweta Rajput 95% Math- 100/100
Kriti Chouksey 94.6%
Radhika Baghel 93.8%
Vardhani Jain 93.4%
Veer Dubey 93.2%
Palak Raghuwanshi 93%
Shivansh Sharma 93%
Vaibhavi Sharma 92.8%
Mahak Jain 92.6%
Angraj Yadav 92.2%
Anshika Prajapati 92%
Gourav Raghuwanshi 92%
Pranshu Tiwari 92%
Vibhor Dubey 92%
KUNJAL CHANDELE 91.6%
Aarohi Sharma 91.4%
SIDDHI DANGI 91%
Satakshi Richharia 90.4%
Uplakshya Kirar 90.4%
Suhani Jain 90.2%
Anika Shrivastava 90.2%
Priyanshi Tiwari 90.2%
Rudra Pratap Singh 90%
Arna Shrivastava 89.4%
Harsh Raghuwanshi 89.4%
Ritika Dangi 89.4%
Jiya Sahu 89.2%
Niharika Goel 89%
Aakash Malviya 88.2%
ANSH RAGHUWANSHI 88%
KRISHNA RAI 88%
Krishna Yadav 87.6%
Poonam Rajput 87.6%
Chanchal Ghanghat 86.6%
Srishti Dangi 86.6%
Anushka Awasthi 86.4%
Ayushi Dhakad 86.2%
Bhoomi Barodiya 85.8%
Anmol Saxena 85.6%
Princy Yadav 85.4%
Raghav Pathak 85.2%
Rajvardhan Singh Rajput 85.2%
Kartik Maheshwari 85%